मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

जौनपुर संस्करण
मुंबई
वर्षः 7 अंक 278
बुधवार, 30 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

देश की सुरक्षा, संप्रभुता से जुड़ी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया जाएगाः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह देश की सुरक्षा और संप्रभुता को प्रभावित करने वाली किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं करेगा, लेकिन संकेत दिया कि यह निजता के उल्लंघन की व्यक्तिगत आशंकाओं को संबोधित कर सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि तकनीकी समिति की रिपोर्ट को सड़कों पर चर्चा के लिए दस्तावेज नहीं बनाया जाना चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं करेगा लेकिन उसने संकेत दिया कि निजता के उल्लंघन की व्यक्तिगत आशंकाओं से निपटा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि तकनीकी समिति की रिपोर्ट को सड़कों पर चर्चा का दस्तावेज नहीं बनाया जाना चाहिए।

पीठ ने कहा, देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट को नहीं छुआ जाएगा लेकिन जो व्यक्ति यह जानना चाहते हैं कि उन्हें इसमें शामिल किया गया है या नहीं, उन्हें सूचित किया जा सकता है। हां, व्यक्तिगत आशंकाओं से निपटा जाना

चाहिए लेकिन इसे सड़कों पर चर्चा का दस्तावेज नहीं बनाया जा सकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे इस बात की भी समीक्षा करनी होगी कि तकनीकी पैनल की रिपोर्ट को व्यक्तियों के साथ किस हद तक साझा किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने एक अमेरिकी जिला अदालत के फैसले का जिक्र किया। सिब्बल ने कहा, व्हाट्सऐप ने खुद ही यहां खुलासा किया है। किसी तीसरे पक्ष ने नहीं। व्हाट्सऐप ने हैकिंग के बारे में कहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह 30 जुलाई को मामले की सुनवाई करेगी। एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संघ ने बताया था कि 300 से अधिक सत्यापित भारतीय सेलफोन नंबर उन संभावित लक्ष्यों की सूची में थे जिनकी पेगासस स्पाइवेयर का उपयोग करके निगरानी की जानी थी।

अब मनमाने ढंग से फीस नहीं बढ़ा सकेंगे स्कूल, फीस एक्ट को कैबिनेट की मंजूरीः मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। स्कूलों द्वारा मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली कैबिनेट ने दिल्ली स्कूल फीस अधिनियम को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय का उद्देश्य स्कूल फीस को विनियमित करना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है, जिससे स्कूलों को अत्यधिक फीस वसूलने से रोका जा सके। इस अधिनियम से राजधानी भर के अभिभावकों को बहुत जरूरी राहत मिलने की उम्मीद है। यह निर्णय राष्ट्रीय राजधानी भर में स्कूल फीस में अत्यधिक वृद्धि को लेकर अभिभावकों के बीच बढ़ती निराशा के मद्देनजर लिया गया है। दिल्ली विधानसभा में पेश और पारित होने के बाद,

अधिनियम कानून बन जाएगा और निजी स्कूलों की फीस संरचनाओं पर सख्त नियम लागू करेगा। इसको लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मुझे आपको यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक और साहसिक फैसला लिया है, और आज कैबिनेट ने मसौदा विधेयक पारित कर दिया है। दिल्ली के सभी 1677 स्कूलों, चाहे वो सहायता प्राप्त हों, गैर सहायता प्राप्त हों, निजी हों या सभी तरह के स्कूल हों, के लिए फीस के लिए एक पूरी गाइडलाइन, प्रक्रिया तय की जाएगी। इतिहास में पहली बार दिल्ली सरकार द्वारा ऐसा विधेयक तैयार किया जा रहा है जो पूरी तरह से सुरक्षित है।

अभी तक दिल्ली में निजी स्कूलों द्वारा फीस निर्धारित करने या बढ़ाने के तरीके को विनियमित करने के लिए कोई कानून नहीं था। ऐसे कानून की कमी के कारण फीस वृद्धि अनियंत्रित हो गई, जिससे कई परिवारों में परेशानी पैदा हो गई। हाल ही में स्वीकृत दिल्ली स्कूल फीस अधिनियम अभिभावकों के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आया है, जिसका उद्देश्य निजी संस्थानों द्वारा मनमानी और अत्यधिक फीस वृद्धि को रोकना है।

कश्मीरियों के दिलों में पाकिस्तान के लिए कोई हमदर्दी नहीं : गुलाम नबी आजाद

कश्मीर, 29 अप्रैल। पहलगाम आतंकी हमले पर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पहले लोग सिर्फ.तभी सड़कों पर उतरते थे जब विरोध प्रदर्शन नेताओं द्वारा प्रायोजित होते थे। मैंने पहली बार लोगों को पहल करते और सड़कों पर उतरते देखा। उन्होंने कहा कि लोगों ने धार्मिक स्थलों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की। मैंने पहली बार कश्मीर में मुसलमानों के बीच इतना आतंकवाद विरोधी माहौल देखा है। अगर मीडिया ने विरोध प्रदर्शनों को ठीक से कवर किया होता तो पाकिस्तान को अच्छा जवाब मिलता। गुलाम नबी

आजाद ने कहा कि कश्मीरियों के दिलों में पाकिस्तान के लिए कोई हमदर्दी नहीं है। इससे पहले गुलाम नबी आजाद ने अनंतनाग जिले के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की थी। आजाद ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया, प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पहले लोग ऐसी घटनाओं की निंदा कम ही करते थे। शायद इसलिए क्योंकि उन्हें डर था कि अगर वे आतंकवादियों के खिलाफ बोलेंगे तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। लेकिन यह पहली बार है कि मैं देख रहा हूँ कि पूरा जम्मू-कश्मीर शोक में है और जम्मू-कश्मीर का हर गाँव, जिला और शहर कल हुई घटना के विरोध में बंद है। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि एक समय था जब जम्मू-कश्मीर की कुछ मस्जिदों में आतंकवादियों के लिए समर्थन मांगा जाता था... यह पहली बार है कि मैं देख रहा हूँ कि मस्जिदों में सभी इमाम आतंकवादियों के खिलाफ बोल रहे हैं।

भारत को हर प्रौद्योगिकी में सर्वश्रेष्ठ बनाने की दिशा में हो रहा कामः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में UGM कॉन्क्लेव को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली देश के भविष्य के लिए युवाओं को तैयार करने में अहम भूमिका निभाती है, हम इस प्रणाली का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर 2013-14 में सकल व्यय 60,000 करोड़ रुपये था, हमने इसे सवा लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य है कि एआई भारत के लिए कारगर हो, हमें भारत को भविष्य की हर प्रौद्योगिकी में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने की दिशा में काम करना है। मोदी ने कहा कि आज यहां सरकार, एकेडमी, साइंस और रिसर्च से जुड़े भिन्न भिन्न क्षेत्र के लोग इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। इस एकजुटता को ही युग्म कहते हैं। एक ऐसा युग्म जिसमें विकसित भारत के फ्यूचर टेक से जुड़े स्टेकहोल्डर्स एक साथ जुड़े हैं, एक साथ जुटे हैं। मुझे विश्वास है, हम जो भारत की इनोवेशन कैपेसिटी और डीप टेक में भारत की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, उसे इस आयोजन से बल मिलेगा।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है, इसलिए ये जरूरी है कि हम अपने युवाओं के भविष्य के लिए और उनको भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें। इसमें बड़ी भूमिका देश के

एजुकेशन सिस्टम की भी होती है, इसलिए हम देश के एजुकेशन सिस्टम को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक आधुनिक बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई गई है। इसे शिक्षा के वैश्विक मानक को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। नई शिक्षा नीति आने के बाद हम भारतीय एजुकेशन सिस्टम में बड़ा बदलाव भी देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि DIK-SHA प्लेटफॉर्म के तहत एक राष्ट्र, एक डिजिटल बुनियादी ढांचा का निर्माण किया गया है। ये बुनियादी ढांचा, एआई आधारित है। इसका इस्तेमाल देश की 30 से ज्यादा भाषाओं और 7 विदेशी भाषाओं में textbooks तैयार करने में हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक सदस्यता ने युवाओं को ये भरोसा दिया है कि सरकार उनकी जरूरतों को समझती है। आज इस योजना की वजह से उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों की पहुंच विश्व स्तरीय शोध पत्रिकाएँ तक आसान हो गई है।

उन्होंने कहा कि हमने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अगले 25 साल की समय-सीमा तय की है। हमारे पास समय सीमित है, लक्ष्य बड़े हैं। मैं यह बात वर्तमान के लिए नहीं कह रहा हूँ।

पहलगाम हमले के मृतकों के परिवार को मिलेगा 50 लाख का मुआवजाः देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, 29 अप्रैल। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए महाराष्ट्र के छह लोगों के परिवारों को 50-50 लाख रुपए देगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए महाराष्ट्र के लोगों के परिजनों को नौकरी देगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कैबिनेट बैठक के दौरान आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ित संतोष जगदाले की बेटी को सरकारी नौकरी दी जाएगी। यह कदम उन चचाओं के बाद उठाया गया है जिसमें सरकार ने पहले पीड़ित की बेटी को नौकरी

देने का उल्लेख किया था; अब मुख्यमंत्री के विशेष प्राधिकरण के माध्यम से यह निर्णय लिया गया है। इससे पहले, जम्मू और कश्मीर (जे-के) सरकार ने भी मृतक पीड़ितों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी। जे-के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कोई भी राशि कभी भी प्रियजनों के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती है, लेकिन समर्थन और एकजुटता के प्रतीक के रूप में, जम्मू-कश्मीर सरकार मृतकों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा करती है। सीएमओ ने कहा, पीड़ितों को उनके घरों तक वापस ले जाने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा प्रदान की जा रही है।पहलगाम में आतंकी हमला 22 अप्रैल को लोकप्रिय बैसरन मैदान पर हुआ था, जहाँ आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया था, जिसमें देश भर से 25 भारतीय नागरिक और एक नेपाली नागरिक मारे गए थे, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे।

असम में पाकिस्तान का समर्थन करने पर 27 लोग गिरफ्तार, एक विधायक भी शामिल

असम। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत में रहकर पाकिस्तान का बचाव करने के आरोप में राज्य में अब तक कम से कम 27 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शर्मा ने बताया कि गिरफ्तारियों की यह संख्या सोमवार रात तक की है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, अब तक 27 देशद्रोही पकड़े गए हैं।गिरफ्तार किए गए लोगों में विपक्षी दल ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) विधायक अमीन-उल-इस्लाम भी शामिल हैं। जिन पर पहलगाम हमले में पाकिस्तान और उसकी संलिप्तता का कथित रूप से बचाव करने के लिए राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया है।

बेतुके बयानों से बचें एवं राजनीतिक सहमति कायम रखें

-ललित गर्ग

पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना ने भारत की आत्मा पर सीधा हमला किया है, इसमें पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका को देखते हुए देश की एक सौ चालीस करोड जनता चाहती है कि अब पाकिस्तान को सबक सीखाना जरूरी हो गया है, नरेन्द्र मोदी सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया और पाकिस्तान के खिलाफ कठोर एक्शन लेते हुए सिंधु जल को रोकने जैसे पांच कदम उठाये। दोनों ही देशों के बीच युद्ध की स्थिति बनी है, यह पहली बार देखने को मिला है कि इस घटना को लेकर कश्मीर सहित समूचा देश एक दिखाई दे रहा है। ऐसे क्रूर, आतंकी एवं अमानवीय हमले के वक्त में पूरा देश दुख और गुस्से की मनःस्थिति से गुजर रहा है, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। सभी राजनीतिक दल, जाति, वर्ग, धर्म के लोग पाकिस्तान को करारा जबाव देने के लिये मोदी सरकार के हर निर्णय में सहयोगी होने का संकल्प व्यक्त किया है, बावजूद इसके कुछ नेताओं के ओछे, बेतुके एवं अराष्ट्रीय बयान भी सामने आए हैं, जिनको सुनकर इन नेताओं के मानसिक दिवालियेपन, औछेपन एवं विध्वंसक राजनीतिक सोच पर क्रोध भी आता है एवं तरस भी आता है। निश्चित ही ये बयान जहां अंधविरोध की घोर नकारात्मक एवं संकीर्ण राजनीति को दशार्ते है, वहीं कुछ वोट बैंक की सस्ती राजनीति को उजागर करते हैं। भाजपा नेताओं को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनकी ओर से ऐसा कुछ न कहा-किया जाए, जिससे यह लगे कि वे पहलगाम की घटना का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। जब राष्ट्र संकट एवं जटिल दौर में हो, किसी का राजनीतिक हित देशहित से बड़ा नहीं हो सकता।

अनर्गल, बेतुके एवं राष्ट्र-विरोधी बयानों ने एक बार फिर कुछ नेताओं एवं दलों की घटिया सोच को बेनकाब किया है। जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना पर अपने नेताओं के बेतुके बयानों का संज्ञान लिया और यह निर्देश दिया कि वे इस हमले पर पार्टी लाइन के हिसाब से ही बोलें। ऐसे निर्देश देना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि उसके कई बड़े नेता और यहां तक कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी बेलगाम होकर यह कह गए कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं। वहीं के एक मंत्री एवं नेता ने तो कहा कि आतंकियों के पास इतना समय कहां होता है कि वह किसी को मारने से पहले उसका धर्म पूछें। इसी तरह का बयान महाराष्ट्र के कांग्रेस विधायक ने भी दिया। हद तो यह हो गई कि जब यह भी बोला गया कि जो महिला कह रही है कि उसके पति को मारने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया, उसने अपना होशोहवास खो दिया होगा। एक अन्य कांग्रेस नेता ने यह बेतुकी बात कही कि पाकिस्तान भाजपा और आरएसएस का दुश्मन होगा, कांग्रेस का नहीं? ऐसे बयान केवल संवेदनहीन और पहलगाम हमले से क्षुब्ध देशवासियों

का खून खौलाने वाले ही नहीं, आतंक को खाद-पानी देने वालों के मन की मुराद पूरी करने वाले भी हैं। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने अपने विवादित बयान में कहा कि इस घटना से किसे फायदा हो रहा है और कौन हिंदू-मुस्लिम कर रहा है इसका जवाब हमला करने वाले के पास ही है। टिकैत ने जोर देकर कहा कि असली चोर पाकिस्तान में नहीं बल्कि भारत में ही मौजूद है। टिकैत अपने औछे, घटिया एवं उच्छृंखल बयान के साथ यह उदाहरण भी दिया कि जब गांव में किसी की हत्या होती है, तो पुलिस सबसे पहले उसे पकड़ती है, जिसे जमीन मिलने जैसा फायदा होता है। पाकिस्तान के लिये पानी रोकने के निर्णय पर उनका यह कहना कि पानी पर सभी जीव-जंतुओं का अधिकार है, यह सबको मिलना चाहिए। ऐसा कहकर उन्होंने भारत-विरोधी विचार ही दिया है। बिजनसमैन एवं गांधी परिवार के जवाई रॉबर्ट वाड्रा के पहलगाम हमले पर विचार भले ही चौतरफा आलोचना के बाद बदल गए हैं। लेकिन उन्होंने भी इस आतंकवादी हमले के लिए मोदी सरकार और हिंदुत्व को जिम्मेदार ठहराया था।

राष्ट्रीय हितों पर चोट करने और देश की एकजुटता को प्रभावित करने वाले ये बयान यही नहीं बताते कि राजनीतिक कटुता के चलते नेतागण संवेदनशील मामलों में भी बोलते समय अपने विवेक का परित्याग कर देते हैं, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर भी पार्टी लाइन की कोई परवाह नहीं रहती। उनके लिये पार्टी देश से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है, जिन भी दलों के नेता पहलगाम की घटना पर अनर्गल बयान दे रहे हैं और जिसके चलते सर्वदलीय बैठक में बनी सहमति आहत हो रही है, उन पर लगाम लगे। पहलगाम आतंकी हमला पहला मौका है, जब विपक्ष ह्यकिसी भी जवाबी कार्रवाई के लिए मोदी सरकार के साथ खड़ा दिख रहा है। उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक के सुबूत मांगने वाले विपक्ष के रुख में यह बड़ा बदलाव है। सबसे बड़े लोकतंत्र की राजनीति के लिए यह निश्चय ही सकारात्मक संकेत भी है।

संसदीय लोकतंत्र में सरकार बहुमत से बनती है, लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों की भूमिकाएं महत्वपूर्ण रहती हैं। बेशक पहलगाम में सुरक्षा चूक पर जवाब मांगने का राजनीतिक अधिकार विपक्ष को है, क्योंकि चूक तो हुई ही है, लेकिन सहमति के लिए संवाद और समन्वय की प्रक्रिया जारी रहनी जरूरी है। यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि राजनीति देश के लिए होनी चाहिए, देश की कीमत पर नहीं। अलग-अलग दलों से होने तथा कई मुद्दों पर नीतिगत मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री नरसिंह राव, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर और नेता प्रतिपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने परस्पर सम्मान भाव वाले रिश्तों से संवाद, सौहार्द, समझ तथा समन्वय की जो मिसाल पेश की, वह दलगत राजनीति में वर्तमान सन्दर्भों में मार्गदर्शक बन सकती है। एक-दूसरे को देशविरोधी मानने की मानसिकता से मुक्त होना होगा और परस्पर कटुता के बजाय सम्मान का भाव जगाना होगा। अपेक्षा की जाती है कि अपनी-अपनी राजनीतिक विचारधारा पर अडिग रहते हुए भी वे राष्ट्रहित के मुद्दों पर सहमति के साथ आगे बढ़ें, कायम रहे राजनीतिक सहमति ताकि देश चुनौतियों एवं संकटों का सामना प्रभावी एवं सफलतापूर्वक कर सके।

विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, अब दुनिया भी स्वीकारने लगी है कि पाकिस्तान आतंक की प्रयोगशाला है। उसकी इस नर्सरी एवं आतंक की खेती का उद्देश्य भारत की तबाही ही है। भारत को कभी तो जबाव देना ही था, अब भारत ने कमर कसी है तो पाकिस्तान परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसी गिदड धमकियों पर उतर आया है। अब तो भारत के राजनीतिक दलों, नेताओं एवं संकीर्ण मानसिकता वाले लोगों को पाकिस्तान के प्रति अपनी सोच को बदलना चाहिए। अब पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। सीमाओं पर लड़ने की ताकत देश के भीतर के इन संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक एजेंडे में खप जायेगी तो हम केवल उस एजेंडे को ही आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों एवं पाकिस्तान का मकसद है- भारत को विभाजित करना। कश्मीर एवं देश में मुस्लिम समाज ने पहलगाम की घटना का जिस तरह विरोध किया, काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी और कहा कि इस घटना ने इस्लाम को बदनाम किया है, वह स्वागतयोग्य है। देश में आगे भी सद्भाव बना रहे, यह देखना सभी समुदायों की जिम्मेदारी है। लेकिन इससे बड़ी जिम्मेदारी राजनीतिक दलों एवं नेताओं की है कि वे बेतुके बयानों से स्वार्थ की राजनीति का त्याग करें।

ट्रम्प ने अनुसंधान संस्थानों पर हमला करके भारतीय छात्रों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में आना असंभव बना दिया है

अशोक भाटिया

जैसे-जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति नई नीतियों पर जोर दे रहे हैं, वैश्विक बाजार और सार्वजनिक विरोध तेज हो रहे हैं, और ट्रम्प ने अमेरिका को अपनी पूर्व संपत्ति में वापस लाने के लिए येनकेन तरीके से विदेशियों को देश से बाहर निकालने के तरीके खोजे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनियाभर से आयात पर भारी शुल्क लगाकर वैश्विक व्यापार और वैश्वीकरण पर हमला बोला है। भारत का सारा मीडिया, राजनेता और तथाकथित बुद्धिजीवी इस बात का अनुमान लगा रहे हैं कि अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस आर्थिक युद्ध का हम पर कितना असर पड़ेगा। लेकिन साथ ही, राष्ट्रपति ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका में पूरी शिक्षा प्रणाली और अनुसंधान संस्थानों पर हमला करके विदेशी छात्रों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में आना असंभव बना दिया है। भारतीय लोग प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विदेशों में उच्च पदों पर होने पर गर्व करते हैं। लेकिन पिछले 60-70 वर्षों से हम इस तथ्य की ओर से पूरी तरह से आंखें मूंद रहे हैं कि प्रतिभाशाली भारतीय और वैज्ञानिक हमारे देश से भाग रहे हैं और अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए अमेरिका और अन्य उन्नत देशों में जा रहे हैं।

सबसे मामूली और पहली भव्य निकासी में से एक आयात शुल्क बढ़ाने का उनका अपना निर्णय था, जो दुनिया भर के सभी देशों से अमेरिकी बाजार में उत्पादों की बिक्री पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने वाले थे। घोषणा और अमेरिकी बाजार में गिरावट ने ट्रम्प के सलाहकारों की आंखें सफेद कर दीं। उनकी नजर 'अच्छे दिन' पर थी, उन्होंने इस डर से आंखें मूंद लीं कि वे रुकेंगे या जाएंगे। अंत में, उनके लिए 90 दिनों के लिए अपने निर्णय को स्थगित करने का समय आ गया। यह 'जब था' के लिए आंखें मूंद ली जा सकती थीं। लेकिन ट्रंप ने इस दौरान अपने फैसलों से पीछे हटने की कोशिश की। उनका तेवर उसी प्रतिद्वंद्वी चीन को लेकर नरम था जिस पर उन्होंने आयात शुल्क बढ़ाकर 245 प्रतिशत करने की धमकी दी थी। इतना कि जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अमेरिका को देखने के लिए तैयार नहीं थे, तो ट्रम्प के लिए उनसे विनती करने का समय आ गया था। वही विदेशी छात्रों के लिए भी जाता है जो संयुक्त राज्य अमेरिका में आए थे। ट्रम्प ने हजारों छात्रों को छोड़ने का आदेश दिया, लेकिन उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका को होने वाले नुकसान को महसूस करने के बाद उनमें से आधे से अधिक को वापस ले लिया। ट्रम्प, जिन्होंने विदेशी कंपनियों द्वारा विदेशों में बनाई गई कारों पर भारी आयात करों की घोषणा की थी, बाद में धीरे-धीरे मोटर उद्योग का अपवाद बना दिया। यह वापसी न केवल आर्थिक निर्णयों में, बल्कि कूटनीति में भी परिलक्षित हुई। कूटनीति में भी यही हुआ।

गौरतलब है कि भारत एक से दो साल में हम इंसानों के साथ पहला स्पेसक्राफ्ट भेजने की योजना बना रहा हैं। वहीं, चीन ने पिछले तीन सालों से अंतरिक्ष में अपना बेस बनाया हुआ है, और चीनी अंतरिक्ष यात्री नियमित रूप से वहां जाते हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हम चीन से 20 साल पीछे हैं। लेकिन 1960 के दशक में भारत ही एकमात्र एशियाई देश था। चीन प्रौद्योगिकी के सभी क्षेत्रों में हमसे कम से कम 10 साल पीछे था जब उसने खुद स्वदेशी रूप से निर्मित मारुत विमान का डिजाइन, शोध और निर्माण किया; लेकिन 1960 के दशक में, चीन में माओत्से तुंग के नेतृत्व में एक ईमानदार सरकार थी, जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका में चीनी नागरिकों और तकनीशियनों से घर लौटने का आग्रह किया, जिससे प्रमुख अमेरिकी विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों और तकनीशियनों को चीन लौटने के लिए प्रेरित किया गया। अंतरिक्ष में चीन की प्रगति चीनी नागरिकों द्वारा रखी गई थी जो विदेश से लौटे थे।

इसके विपरीत, भारत स्थिति में था। हर साल, भारत के उच्च तकनीक शिक्षण संस्थानों में शिक्षित 60 से 70 प्रतिशत विशेषज्ञ संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतीक्षा कर रहे थे। इस स्थिति के लिए दो चीजें जिम्मेदार थीं। हमारे देश में पर्याप्त शोध और काम के अवसर नहीं थे। दूसरे, अनुसंधान व्यक्तियों के लिए बहुत कम वित्तीय सहायता थी। कुछ अपवादों के साथ, भारत के बड़े उद्यमियों को विदेशों से प्रौद्योगिकी आयात करने और उस आधार पर उत्पादन पर भारी मुनाफा कमाने का आशीर्वाद मिला। निवेश बेहद कम है। इस बीच सरकार ने भी अपना हाथ अकड़ लिया और आईआईटी जैसे संस्थानों से निकले प्रतिभाशाली मैनपावर अमेरिका में बस गए। वास्तव में, आईआईटी को 'एक ऐसी संस्था के रूप में जाना जाने लगा जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए कुशल तकनीशियन प्रदान करता है'।

अमेरिका विदेशों से आए तकनीशियनों और वैज्ञानिकों के बल पर समृद्ध हुआ; लेकिन अमेरिका के गोरे लोगों को इस सारे बदलाव में आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ा। इसीलिए उन्होंने भारी वोट से ट्रम्प को सत्ता में लाने के लिए वोट दिया। दूरदर्शी ट्रम्प सरकार विभिन्न कानूनों को लागू करके अमेरिका में ग्रीन कार्ड रखने वाले भारतीयों के लिए जीवन कठिन बना रही है। अब कई भारतीय घर लौटने का अवसर ढूंढ रहे हैं। यह सरासर छात्रवृत्ति थी जिसने उन्हें अमेरिका की ओर आकर्षित किया। बेशक, अमीर लोग और राजनेता अपने बच्चों को 'भुगतान सीटों' पर अमेरिका भेजते थे; लेकिन अमेरिका में छात्रों की कुल संख्या बहुत कम थी। कई प्रतिभाशाली वैज्ञानिक और तकनीशियन भारत में अवसरों की तलाश कर रहे हैं, भले ही वे अमेरिका का रास्ता बंद होने के कारण बंद नहीं होना चाहते। लेकिन पिछले कई सालों से सरकार रिसर्च और उच्च शिक्षा के लिए फंड देने से कतराती रही है। यह कर लगा रहा है और एक जेब से दूसरी जेब में पैसा डाल रहा है। नतीजतन, वैज्ञानिकों को अनुसंधान के बजाय जटिल नियम और उपकरण प्राप्त करने में समय बिताना पड़ता है।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मोदी सरकार ने कई अन्य अच्छे काम किए हैं... लेकिन सरकार की रलाल फीताशाही और इंस्पेक्टर राजर उन्हें हिला नहीं पाए हैं। इसके कुछ सरल उदाहरण हैं कि पिछले 70-75 वर्षों में, केवल चार-पांच भारतीयों ने नोबेल पुरस्कार जीता है। हरगोविंद खुराना से लेकर वेंकी रामकृष्ण तक, हर कोई भारत के बाहर काम कर रहा था। दुर्भाग्य से, हमारे वित्त लिपिक दृष्टिकोण पर भारी हावी हैं। इसलिए, एक धारणा है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच अनुसंधान पर खर्च अनुचित है। इस स्थिति को बदलने के लिए, उद्योगों को स्थापित करने के लिए 'वन विंडो स्कीम' जैसे कार्यक्रमों के साथ-साथ अनुसंधान के लिए कुछ योजनाओं को लागू करने की आवश्यकता है। जल्द से जल्द एक तीन-सूत्री कार्यक्रम को लागू करने की आवश्यकता है। इनमें से पहला यह है कि छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति दी जानी चाहिए और अनुसंधान के लिए छात्रवृत्ति दोगुनी की जानी चाहिए। इन सभी के लिए स्वीकृत धन आईआईटी और आईआईएसईआर जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों को समय पर दिया जाना चाहिए। यदि मार्च तक खर्च नहीं किया जाता है, तो समय सीमा स्वचालित रूप से अगले वर्ष तक बढ़ा दी जानी चाहिए। यह कोई नई बात नहीं है। रक्षा और अन्य क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान इसी तरह के नियम बनाए गए थे; लेकिन जब यूपीए सरकार सत्ता में आई, तो इस अच्छे सुधार को खत्म कर दिया गया और वित्त मंत्री ने 31 मार्च तक खर्च नहीं किए गए धन को जमा करने और बजट में शेष राशि दिखाने के लिए खुश थे।

दूसरी महत्वपूर्ण बात ये है कि नई व्यवस्था के तहत शोध के सामान की खरीद को भी आत्मनिर्भरता के नाम पर केंद्रीकृत कर दिया गया है। उद्देश्य यह है कि देश आत्मनिर्भर हो और जब आवश्यक न हो तो आयात न हो; लेकिन अनुसंधान उपकरण या सामान सामान्य व्यापार में फिट नहीं होते हैं। उदाहरण के लिए, अनुसंधान के लिए आवश्यक कुछ रसायनों को 99 प्रतिशत शुद्ध होना चाहिए। दुनिया भर में उनकी मांग मुश्किल से 100-200 किलोग्राम है। इसलिए ऐसे विशेष रसायन या उपकरण बनाने वाले उद्योग केवल दुनिया की उंगलियों पर गिने जाते हैं। उन्हें आयात करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसके अलावा, कोई भी एक वर्ष में 10-15 किलोग्राम के लिए आवश्यक रसायन बनाने के लिए कारखाना स्थापित नहीं कर सकता है। पदार्थों की इस विशेष विशिष्टता को ध्यान में रखते हुए इन वस्तुओं की खरीद को केंद्रीकृत करना गलत है। इसलिए मौजूदा व्यवस्था को बंद किया जाना चाहिए और आईआईटी जैसे संस्थानों के निदेशकों को यह फैसला लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। हमेशा की तरह जब वैज्ञानिक 100 रुपये का उपकरण खरीदने की अनुमति मांगते हैं तो लालफीताशाही को 25 प्रतिशत कम करके सहमति दी जाती है। संक्षेप में, यह एक ऐसा बॉक्स है जो तीन-चौथाई हाथी देता है जब आपको पूरे हाथी की आवश्यकता होती है, जो लालफीताशाही को काटने के लिए सबसे अधिक आवश्यक है।

पौराणिक महत्व का त्योंहार है अक्षय तृतीया

-रमेश सर्राफ धमोरा

30 अप्रैल अक्षय तृतीया पर विशेष

अक्षय तृतीया वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है। हिंदू परिवारों के लिए यह दिन बहुत ज्यादा महत्व रखता है।

अक्षय शब्द का अर्थ होता है कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता होता है। जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में वैसाख के वसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखातीज नाम से भी जानते हैं। जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला। इसलिए माना जाता है की यह दिन हमारे लिए वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। ₹अक्षय₹ शब्द का अर्थ होता है जो कभी खत्म न हो। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों, जैसे जप, यज्ञ, दान-पुण्य, का पुण्य कभी भी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाए उतने हमें हमारे लिए कम है।

हमारे देश में समय-समय पर बहुत से त्यौहार मनाये जाते हैं। इसलिए हमारे देश को त्योहारों का देश भी कहते है। हिन्दू धर्मावलम्बियोंके प्रमुख त्योहारों में से एक अक्षय तृतीया है जिसे हम आखा तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया देश भर में हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य इस शुरू होता है वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्यौहार हर वर्ष वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को है।

अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है। माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था। इसीलिये इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाये थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी। और पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरूआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है जिसे दान और पुण्य कार्य करने के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस दिन .भगवान ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। अक्षय तृतीया के दिन यूं तो आप किसी भी देवी-देवता की पूजा कर सकते हैं। लेकिन विशेष रूप से इस दिन माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और धन के देवता कुबेर की पूजा करने का विधान है। अन्य त्योहारों की तरह इस त्यौहार में भी दीपक जलाते हैं। इस दिन किया गया परोपकार हमारे लिए जीवन को सुखी बना देता हैं। इसीलिए इस दिन लोग गरीबों को भोजन कराते हैं तथा उनकी सहायता करते हैं। माना जाता है कि इस दिन किए गए पुण्य हमारे लिए स्वर्ग में जगह बनाते हैं। इस दिन कई लोग जागरण रखकर हवन करते हैं तथा गरीबों को दान देते हैं। कई लोग अपने नए घर में मुहूर्त के हिसाब से प्रवेश करते हैं। अक्षय तृतीया का पौराणिक महत्व भी है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। द्वापर युग का समापन और महाभारत युद्ध का समापन भी इसी तिथि को हुआ था। देश के अनेक हिस्सों में इस तिथि का अलग-अलग महत्व है। जैसे उड़ीसा और पंजाब में इस तिथि को किसानों की समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। तो बंगाल में इस दिन गणपति और लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है। इतना पवित्र पर्व होने के उपरांत भी इस दिन बड़ी संख्या में होने वाले बाल विवाह इस पर्व के महत्व को कम करते हैं। अबूझ सावा मानकर बड़ी संख्या में लोग अपने नाबालिक बच्चों की इस दिन शादी कर देते हैं। कम उम्र के बच्चों के विवाह रोकने के लिए इस दिन प्रशासन को विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। राजस्थान सहित कई प्रदेशों में तो अक्षय तृतीया का दिन बाल विवाह के लिए बदनाम हो चुका है। विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है।

देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। ऐसे पवित्र दिन का महत्व बनाए रखने के लिए समाज को इस दिन होने वाली कुरीतियों पर रोक लगाकर एक सकारात्मक संदेश देना होगा। तभी सार्थकता बनी रह पाएगी।

शिक्षा एवं वैचारिक शक्ति राष्ट्र की ताकत

संजीव ठाकुर

हर देश में राष्ट्र के प्रति और राष्ट्रहित के प्रति चिंतन करने वालों का समूह होना चाहिए,जो प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक तथा राष्ट्रहित के विचारों और विकास के मूल मंत्र को नई ऊर्जा ताजा हवा और आगे बढ़ने की सच्चाई को इंगित कर सकें' बिना संस्कृति ,संस्कार और वैचारिक क्षमता के कोई भी राष्ट्र वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय प्रगति करने की सोच भी नहीं सकता। वैचारिक और सैद्धांतिक अंतरधारा, सिद्धांतों को कुचला या नष्ट नहीं किया जा सकता। व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के संदर्भ में गणतंत्र की मूल आत्मा है।

विचार और सिद्धांत व्यक्ति की अंतःप्रज्ञा होती है। यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए तो अंतरात्मा को प्रभावित करती है। इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है, जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक मनीषियों के वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंतः प्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर उत्पादित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं । विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है।भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है ।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं,और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं।

विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। वह अपने विचारों के माध्यम से जन सामान्य को प्रभावित कर लोगों को उस लड़ाई में शामिल कर लेता है, जिस लड़ाई के वह कभी अकेले नहीं लड़ सकता था। विचारों सिद्धांतों की तीव्रता आवेश तथा सघनता किसी भी क्रांतिकारी लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़ा साधक हो सकता है। विचार व सिद्धांत एक से दूसरे व्यक्ति तक स्थानांतरित होते रहते हैं। जिसमें विचारों को सघनता प्राप्त होती है। ताकि सत्ता के दमन के समय वैचारिक अमरता स्थाई बनी रहे। चीन उत्तर कोरिया जैसे राष्ट्रों में विचारों के इस स्वतंत्र का प्रवाह को बाधित नियंत्रित कर दिया गया। अभिव्यक्ति के तमाम माध्यमों को प्रतिबंधित कर दमन चक्र चलाया गया। वहां विचार और सिद्धांत विद्वान व्यक्ति तक ही सीमित रहे उसका फैलाव या विस्तार नहीं हो पाया। जो मानव समाज तथा मानव अधिकारों की संवेदना तथा धाराओं का उल्लंघन भी है। किसी स्वस्थ स्वतंत्र राष्ट्र के लिए व्यक्ति समाज और राष्ट्र के विचारों की स्वतंत्रता नवीनता तथा उत्कृष्टता अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि विचारधारा और सिद्धांतों को रोक पाना किसी भी सत्ता या निरंकुश राजा के नियंत्रण में नहीं होता। विचारों और सिद्धांत अनादि काल से गतिशील है तथा अनंत तक जगत तक गतिशील रहेंगे,और उसका प्रतिपादक एवं अनुशीलन कर्ता विचारों के साथ अमर हो जाते हैं।

वन्य जीवों और पेड़ों के लिए अपनी जान पर खेलता बिश्नोई समाज

-डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

भारत में जब पर्यावरण संरक्षण की बात होती है, तो राजस्थान के बिश्नोई समाज का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है। सदियों से यह समाज पेड़-पौधों और वन्य जीवों के संरक्षण में अपनी जान तक न्यौछावर करता आया है। बिश्नोई समाज न केवल प्रकृति का रक्षक है, बल्कि वह उसे ईश्वर के रूप में पूजता भी है। राजस्थान के रेतीले धोरों में फैले इस समाज की जीवटता और प्रकृति प्रेम की मिसालें आज भी दिल को छू जाती हैं।

बिश्नोई समाज की महिलाओं का हिरणों के प्रति प्रेम किसी भी मानवीय रिश्ते से कम नहीं है। यहां की महिलाएं अनाथ या घायल हिरण के बच्चों को अपने शिशु की तरह पालती हैं – उन्हें न सिर्फ अपने घर लाती हैं, बल्कि अपना दूध पिलाकर उनका पालन-पोषण करती हैं। यह दृश्य जितना अद्भुत लगता है, उतना ही हृदयस्पर्शी भी है। पांच सौ वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में, ममता और प्रकृति के बीच का अदृश्य रिश्ता हर दिन जीवित रहता है।

यहां के बच्चे जानवरों के साथ बड़े होते हैं, खेलते हैं, सीखते हैं कि पेड़ और पशु उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। बिश्नोई समाज में हिरण को भगवान श्रीकृष्ण का अवतार माना जाता है। इसीलिए, यहां के लोग हिरणों को पूजते हैं और उनकी रक्षा को अपना धर्म समझते हैं। पर्यावरण आंदोलन के इतिहास में बिश्नोई समाज का योगदान अतुलनीय है। 1730 के दशक में, जोधपुर के राजा अभय सिंह ने अपने नए महल के निर्माण के लिए खेजड़ी के वृक्षों को काटने का आदेश दिया। जब सैनिक पेड़ों को काटने आए, तो खेजड़ली गांव की अमृता देवी बिश्नोई ने अपनी तीन बेटियों के साथ मिलकर पेड़ों से लिपटकर उनका बचाव किया। सैनिकों ने उनके प्राणों की भी परवाह नहीं की। देखते ही देखते, 363 बिश्नोई पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने वृक्षों की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। इस बलिदान ने भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। अमृता देवी के नेतृत्व में हुआ यह बलिदान बाद के चिपको आंदोलन का भी प्रेरणास्रोत बना। आज भी भारत सरकार अमृता देवी बिश्नोई वन्यजीव संरक्षण पुरस्कार के माध्यम से इस महान विरासत को याद करती है। बिश्नोई समाज की जीवनशैली 'जाम्भोजी महाराज' द्वारा प्रतिपादित 29 नियमों पर आधारित है। 'बीस' और 'नौ' से मिलकर बना 'बिश्नोई' शब्द, इन नियमों के प्रति समाज की अटूट निष्ठा का परिचायक है। इन नियमों में शाकाहार, जीवों की रक्षा, पेड़ों की पूजा, पानी का संरक्षण और सरल जीवनशैली पर विशेष बल दिया गया है। बिश्नोई समाज का प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह पुरुष हो या महिला, इन आदर्शों को अपने जीवन का आधार बनाता है। समाज के भीतर ही नहीं, बिश्नोईयों ने अपने संगठनों के जरिये भी बड़े पैमाने पर संरक्षण का कार्य किया है। 'अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई महासभा' और 'बिश्नोई टाइगर फोर्स' जैसी संस्थाएं चौबीसों घंटे वन्यजीवों की रक्षा में लगी रहती हैं। शिकारियों को पकड़ना, कानूनी कार्यवाही कराना और आम लोगों में जागरूकता फैलाना – ये इनके नियमित कार्य हैं। आज जब दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण की बातें हो रही हैं, तब भी बिश्नोई समाज नारे नहीं, अपने कर्मों से उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। इनके लिए संरक्षण कोई अलग अभियान नहीं, बल्कि सांस लेने जैसा स्वाभाविक कार्य है। जहां आधुनिक सभ्यता के दबाव में मनुष्य और प्रकृति के बीच की दूरी बढ़ती जा रही है, वहीं बिश्नोई समाज यह सिखाता है कि इंसान प्रकृति का अभिन्न अंग है। उनके लिए पेड़ और पशु महज संसाधन नहीं हैं, बल्कि जीवन के साथी हैं।

कश्मीर के लिए भाजपा के वीरेंद्र ठाकुर की विशेष पहल, 100 देशभक्त युवाओं के लिए फ्री कश्मीर यात्रा का आयोजन

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुआ आतंकवादी हमला न केवल कश्मीर पर बल्कि संपूर्ण भारत की संप्रभुता पर हमला है। ऐसा दृढ़ निश्चय वीरेंद्र ठाकुर ने व्यक्त किया है। उन्होंने देशभक्त नागरिकों से अपील की है कि वे कश्मीर जाएं और हमारे लड़ाकू सैनिकों तथा वहां के आम लोगों का समर्थन करें। ठाकुर ने घोषणा की है कि वह 100 युवा स्वयंसेवकों को कश्मीर ले जाएंगे और उनके आवास एवं अन्य सुविधाओं की पूरी जिम्मेदारी लेंगे। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और सदैव रहेगा। मुट्ठीभर आतंकवादी हिंसा के जरिए कश्मीर का माहौल बदलने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन वीरेंद्र ठाकुर ने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि भारत की जनता और सेना उनकी कुटिल साजिश को विफल कर देगी। उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार के अथक प्रयासों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के कारण जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर विकास हो रहा है। अमित शाह के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। पुलवामा हमले के बाद अपनाया गया कड़ा रुख, अनुच्छेद 370 हटने के बाद शांति का दौर, और जी-20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन - ये सब भारत सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति का ही परिणाम है। हालांकि, हाल ही में कुछ आतंकवादी समूह फिर से कश्मीर में भय और अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि इसे रोकने के लिए देश के युवाओं को आगे आने की जरूरत है। देशभक्ति केवल भाषणों में ही नहीं, बल्कि कार्यों में भी दिखाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कश्मीर जाकर जवानों का मनोबल बढ़ाना, वहां के आम लोगों में विश्वास पैदा करना और आतंकवादियों की साजिशों को नाकाम करना - यही सच्ची राष्ट्र सेवा है। वीरेंद्र ठाकुर ने देशभक्त युवाओं से इस पहल में भाग लेने के लिए संपर्क करने की अपील की है।

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल नैस्डैक पर सूचीबद्ध

मुंबई। विश्वस्तरीय मंच पर भारतीय मेडिकल टेक्नोलॉजी में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, स्वदेशी एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के निमार्ता एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल को नैस्डैक (ठअरऊअद) पर सूचीबद्ध किया गया है। एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल के संस्थापक, चेयरमैन एवं सीईओ डॉ सुधीर श्रीवास्तव ने कहा, नैस्डैक पर सूचीबद्ध किया जाना एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल के लिए बड़ी उपलब्धि है, जो विश्वस्तरीय एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के विकास में हमारी टीम की सफलता को दशार्ती है। यह सिस्टम किफायती दाम पर सर्वोच्च गुणवत्ता की सुरक्षित एवं प्रभावी आधुनिक रोबोटिक सर्जिकल प्रक्रिया को दुनिया भर के मरीजों के लिए सुलभ बनाता है। इस मेड इन इंडिया फार द वर्ल्ड इनोवेशन के साथ हम विश्वस्तरीय स्वास्थ्य परिवेश में भारत की मौजूदगी को सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत हैं। यह अपलिस्टिंग ऐसे समय में की गई है जब हम भारत के दायरे से आगे बढ़कर दुनिया के कई देशों में अपना विस्तार कर रहे हैं। हम अपने एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के लिए ईयू सीई मार्क और यूएस एफडीए अनुमोदन प्राप्त करने की कोशिश में जुटे हैं, उम्मीद है कि 2025 के अंत और 2026 की शुरूआत तक हमें ये अनुमोदन मिल जाएंगे। हमें विश्वास है कि नैस्डैक पर सूचीबद्ध किए जाने से हमारे इस इनोवेशन के बारे में जागरुकता एवं पारदर्शिता बढ़ेगी, हमारा निवेशक आधार और शेयर लिक्विडिटी बढ़ेगी, और साथ ही हम भारत के इस इनोवेशन को विश्वस्तरीय मंच पर प्रदर्शित कर सकेंगे ।ॎ डॉ श्रीवास्तव ने कहा। एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष में प्रभावशाली आर्थिक विकास दर्ज किया, इस अवधि के दौरान कंपनी का राजस्व जो पिछले साल 5.9 मिलियन डॉलर था, वह 3.5 गुना बढ़ोतरी के साथ 20.6 मिलियन डॉलर के आंकड़े पर पहुंच गया। इसी तरह ग्रॉस मार्जिन भी 2023 में 12.3 फीसदी था जो बढ़कर 40.9 फीसदी पर पहुंच गया। ये आंकड़े कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और मार्केट में बढ़ती मौजूदगी को दशार्ते हैं। इसके अलावा एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने अपने चिकित्सकीय रूप से मान्य तथा पेटेंट प्राप्त एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के साथ उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जिसे देश भर के 75 स्थानों पर स्थित 80 अस्पतालों में इंस्टॉल किया जा चुका है। साथ ही कंपनी नेपाल, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला, फिलिपीन्स, इंडोनेशिया, श्रीलंका, युक्रेन सहित कई देशों में अपने फुटप्रिन्ट का विस्तार कर रही है। एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम, किफायती समाधान उपलब्ध कराकर आधुनिक रोबोटिक सर्जरी को बड़ी संख्या में मरीजों की पहुंच में लाया है। आने वाले समय में यूरोप एवं संयुक्त राज्यों में विस्तार की योजनाओं के साथ एसएसआईआई ने अपने आप को मेडिकल रोबोटिक्स के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित किया है तथा दुनिया भर में आधुनिक हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी में भारत की भूमिका को और मजबूत बना दिया है।

नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, मुंबई में दुर्लभ जन्मजात डायफ्रैग्मेटिक हर्निया का जटिल स्थिति में सफल इलाज

मुंबई। नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, मुंबई ने 20 महीने की एक बच्ची में दुर्लभ और जटिल ह्यकॉन्जेनिटल डायफ्रैग्मेटिक हर्निया (सीडीएच) का सफल इलाज किया है। बच्ची को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। इससे पहले एक अन्य अस्पताल में उसकी सर्जरी हो चुकी थी, लेकिन आराम नहीं मिला। बच्ची को गंभीर सांस लेने की परेशानी थी और वह लगातार ऑक्सीजन सपोर्ट पर थी। एम्बुलेंस के जरिए उसे तुरंत नारायणा हेल्थ के आपातकालीन विभाग लाया गया, जहाँ वरिष्ठ पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. रसिक शाह की देखरेख में उसकी सीटी एंजियोग्राफी और रक्त परीक्षण किए गए। पहले हुए ऑपरेशन से बच्ची की स्थिति बेहतर नहीं हुई थी, बल्कि उसकी हालत बिगड़ती जा रही थी। यहां जांच में पता चला कि उसका लिवर छाती की गुहा में घुस गया है, जिससे जटिलताएं बढ़ गईं। लिवर को वापस पेट में लाने की कोशिशें इसलिए सफल नहीं हो सकीं क्योंकि रक्त प्रवाह की मुख्य नसों, हीपेटिक वेन और इन्फीरियर वेना कावा (आईवीसी), में ऐंठन या असामान्य मुड़ाव के कारण रक्त का प्रवाह प्रभावित हो रहा था। इसके बाद डॉ. अशोक थोराट (सीनियर कंसल्टेन्ट- लिवर ट्रांसप्लांट एण्ड एचपीबी सर्जरी), डॉ. सोनू उदानी (मेडिकल डायरेक्टर और क्रिटिकल केयर एण्ड इमरजेंसी सर्विसेस के हेड), डॉ. ओयोन सेनगुप्ता (सीनियर कंसल्टेन्ट- क्रिटिकल केयर मेडिसिन), डॉ. प्रदीप कौशिक (सीनियर कंसल्टेन्ट- पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी) और डॉ. नंदिनी दवे (सीनियर कंसल्टेन्ट- पीडियाट्रिक एनेस्थेसियोलॉजी)।

कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र में बरसात से पहले विधायक का दौरा

नाले की दुर्दशा देख केडीएमसी अधिकारियों पर भड़की विधायक

कल्याण (उत्तरशक्ति)। भाजपा विधायक सुलभा गणपत गायकवाड ने मानसून पूर्व नाले सफाई को लेकर कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। इस मौके पर कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका की शहर अभियंता अनिता परदेशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। विधायक सुलभा गायकवाड ने कल्याण पूर्व के खडेगोलवली और वालधुनी नाले का निरीक्षण किया। प्रत्येक वर्ष उचित रूप से नालों की सफाई ना होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पाती और कल्याण पूर्व के निचले इलाकों में जलजमाव के कारण बाढ़ जैसे हालात निर्माण हो जाते है। इसी को देखते हुए विधायक सुलभा गायकवाड ने नालों का निरीक्षण किया तथा मानसून से पहले सभी नालियों की उचित रूप से सफाई करने की मांग की है। निरीक्षण के पश्चात शहर अभियंता अनिता परदेशी ने कहा कि मानसून पूर्व नाली सफाई का काम शुरू किया जाएगा। मैं स्वयं इस पर नजर बनाए हूँ। युद्धस्तर पर नालियों की सफाई की जाएगी ताकि इस वर्ष बरसात में पानी ना भरने पाए। इस मौके पर विधायक के साथ पूर्व नगर सेवक अभिमन्यु गायकवाड़, पूर्व नगर सेवक मनोज राय, संदीप तांबे, सत्यप्रकाश उपाध्याय, राजू अंकुश सहित भाजप के तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता बढ़ी

मुंबई। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (एश) को खरीदने का ट्रेंड तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है, और इसकी सबसे बड़ी वजह है—खर्चों के मामले में पारंपरिक इंटरनल कम्बशन इंजन वाले वाहनों की तुलना में EVs से साफ-साफ मिलने वाला फायदा। भले ही इसकी शुरूआती कीमत थोड़ी अधिक लगे, लेकिन लंबे समय में इलेक्ट्रिक वाहन टिकाऊ और किफायती मोबिलिटी की तलाश कर रहे खरीदारों के लिए बिल्कुल उपयुक्त और समझदारी भरा निर्णय बन जाते हैं। TATA.ev इस बदलाव का झंडाबरदार बन गया है, जो EVs और ICE मॉडल्स के बीच कीमतों की खाई को तेजी से पाट रहा है। वाहन चलाने और उसके रखरखाव के बेहद कम खर्च के साथ, EVs न सिर्फ भविष्य का वाहन बन रहे हैं, बल्कि एक कार का मालिक होने के मामले में भी नई परिभाषाएं गढ़ रहे हैं। वाहन पोर्टल के डेटा के अनुसार, साल 2024 में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। इस अवधि में रिटेल बिक्री 89,000 यूनिट्स से भी पार पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 22% की वृद्धि है। यह वृद्धि एश बाजार के व्यापक विकास को भी दशार्ती है, जहां कुल 19 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जो कि 27% की शानदार तेजी है। आर्थिक लाभ के अलावा, निमार्ताओं के बढ़ते समर्थन और सरकारी पहलों के विस्तार ने भी उपभोक्ताओं के बीच EVs के प्रति भरोसे को नई उड़ान दी है। TATA.ev लगातार EV मार्केट में अग्रणी बनी हुई है। बाजार में इसकी हिस्सेदारी 60% से अधिक है, और 4 सालों में TATA.ev की 2 लाख से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री हो चुकी है।

महाराष्ट्र दिवस पर 100 महिलाओं को सिलाई मशीन देगा उत्तर भारतीय संघ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनका आत्मसम्मान बढ़ाने की दिशा में लगातार काम कर रही उत्तर भारतीयों की सबसे बड़ी सामाजिक संस्था उत्तर भारतीय संघ ने महाराष्ट्र दिवस (1 मई) के अवसर पर 100 जरुरतमंद महिलाओं को मुफ्त सिलाई मशीन देने का फैसला किया है। संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने बताया कि टीचर्स कॉलोनी बांद्रा पूर्व स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन के सभागार कक्ष में एक मई को दोपहर 11:30 बजे से महाराष्ट्र दिवस का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें 100 जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन दी जाएगी ताकि वे अपना और अपने परिवार का पोषण कर सकें।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

सी.टी.ई.एस. के चेयरमैन शिक्षण महर्षि रजनीकांत श्रॉफ 'जीवनगौरव पुरस्कार' से सम्मानित

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र शिक्षक लोकशाही आघाडी (टीडीएफ) संगठन के राज्यस्तरीय अधिवेशन का आयोजन पालघर के स.तु. कदम विद्यालय में ठाणे जिल्हा माध्यमिक शिक्षक संघ के सहयोग से भव्य रूप में किया गया। इस अधिवेशन में पालघर जिले के प्रमुख संस्थाओं के प्रमुखों को जीवनगौरव पुरस्कार एवं शिक्षकों को आदर्श शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता व मुख्य अतिथि महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के करकमलों से चिंचणी तारापूर एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन रजनीकांत श्रॉफ को शिक्षा क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए जीवनगौरव पुरस्कार प्रदान किया गया।

बतादें कि 1910 में स्थापित इस संस्था ने पिछले 115 वर्षों से निःस्वार्थ भाव से ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्र के छात्रों को शिक्षा की रोशनी देने का कार्य कर रही है। वर्ष 1966 से श्री श्रॉफ इस संस्था के चेयरमैन पद की जिम्मेदारी निभा रहे हैं और निरंतर संस्थान की प्रगति में अपना योगदान दे रहे हैं। संस्था में के.जी. से लेकर पी.जी. तक की शिक्षा प्रदान की जाती है।

शिक्षण महर्षि श्रॉफ के नेतृत्व में संस्था ने कई नए कार्यक्रमों की शुरूआत की है जैसे झ कौशल विकास कार्यक्रम, छात्रों के व्यवहार में सुधार हेतु विशेष रिकॉर्ड प्रणाली, पारदर्शी परीक्षा पद्धति, बहुविकल्पीय प्रश्नपत्रिका, सौर ऊर्जा का उपयोग, डम्पिंग ग्राउंड हटाने की मुहिम, सेवा हक्क कानून का प्रचार, सेंद्रिय खेती, योग प्रशिक्षण, वनस्पति आधारित मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति, भविष्य की दिशा में सिंहावलोकन, जरूरतमंद और होनहार विद्यार्थियों (लड़के और लड़कियाँ) के लिए निःशुल्क छात्रावास सुविधा आज भी शुरू है। इन सभी योजनाओं का उद्देश्य एक ही है झ ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों तक शिक्षा की ज्ञानगंगा को पहुँचाना। चिंचणी तारापूर एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन शिक्षण महर्षि रजनीकांत श्रॉफ को मिले इस सम्मान ने न केवल संस्था का गौरव बढ़ाया है, बल्कि शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत सभी लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी बना है।

विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए आयुक्त से : दिपेश म्हात्रे की मांग

कल्याण (उत्तरशक्ति)। 27 गांवों में अमृत जलापूर्ति योजना में तेजी लाई जाए कल्याण-कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका सीमा के अंतर्गत 27 गांवों में अमृत जलापूर्ति योजना का काम चल रहा है। उद्धव सेना के जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने महानगरपालिका आयुक्त अभिनव गोयल से इस योजना के काम में तेजी लाने की मांग की है। इस संबंध में आज जिला प्रमुख म्हात्रे ने महानगरपालिका मुख्यालय में आयुक्त से मुलाकात की। शहर में विभिन्न विकास कार्यों के संबंध में आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। इस मुलाकात के बाद जिला प्रमुख म्हात्रे ने कहा कि 27 गांवों में लागू की जा रही अमृत जलापूर्ति योजना के तहत जलापूर्ति और वितरण व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। इस योजना को जल्द लागू किया जाना चाहिए। हालांकि 27 गांवों को एमआईडीसी द्वारा पानी की आपूर्ति की जाती है। 27 गांव जलापूर्ति के लिए एमआईडीसी पर निर्भर हैं। एमआईडीसी पर उनकी निर्भरता खत्म करने के लिए स्वतंत्र जल व्यवस्था की जानी चाहिए। कल्याण डोंबिवली में 350 करोड़ रुपये की निधि से सीमेंट कंक्रीट की सड़कें बनाने का काम चल रहा है। ये सड़कें डीपी के अनुसार नहीं बनाई जा रही हैं। इसमें कटौती की जा रही है। साथ ही आसपास की सड़कों के लिए बिना वर्क ऑर्डर के सड़क विकास कार्य किया जा रहा है। आयुक्त ने मांग की है कि इस मामले पर ध्यान देकर काम सही तरीके से किया जाए। नगर निगम में जो आयुक्त आता है, वह 16 महीने से ज्यादा नहीं टिकता। उसका तबादला कर दिया जाता है। वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं करता। जब तक वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर लेता, उसका तबादला नहीं किया जाना चाहिए। म्हात्रे ने मांग की है कि उन्हें शहर में विकास कार्य करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए।

रॉनी रोड्रिग्स ने मनाया पुलिस इंस्पेक्टर विजय मडाए के रिटायरमेंट और जन्मदिन को कई सेलिब्रिटी रहे मौजूद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर विजय मड़ाए के रिटायरमेंट और उनके जन्मदिन के अवसर पर मुम्बई में एक शानदार इवेंट का आयोजन किया गया. जहां 100 से ज्यादा पुलिस वाले अपने परिवार के साथ इस इवेंट में आए। एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस ब्रिजेश सिंह, आईपीएस इस मौके पर विशेष अतिथि रहे. जिन सेलेब्रिटी अतिथियों ने इस अनोखे कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई उनमे अरबाज खान, धीरज कुमार, विंदू दारा सिंह, पंकज बेरी, नवीन प्रभाकर, राजीव निगम, गायक स्वरूप भालवनकर, तरन्नुम मलिक, साई राम सहित कई नाम उल्लेखनीय है. अभिनेत्री मॉडल एकता जैन ने इस शो को बखूबी होस्ट किया.

बता दें कि सिनेबस्टर मैग्जीन के चीफ एडिटर, रॉनी रोड्रिग्स ने इस इवेंट को सपोर्ट किया। रॉनी रोड्रिग्स हमेशा अच्छे काम के लिए आगे आते हैं। इस अवसर पर कई लोगों को सम्मानित भी किया गया. रॉनी रोड्रिग्स ने इस मौके पर कहा कि आम तौर पर जब कोई अपने पद पर नियुक्त होता है तो पार्टी की जाती है मगर मैं किसी पदाधिकारी का रिटायर होना भी उतना ही महत्वपूर्ण मानता हूं. विजय जी ने इतने वर्ष लगातार पुलिस विभाग में रहकर जनता की सेवा की, उनका काम और उनकी कार्यशैली मुझे पसंद आई इसलिए मैंने उनके सम्मान में और तमाम पुलिसकर्मियों के सम्मान में इस इवेंट को सपोर्ट किया. इस प्रकार के कार्यक्रम दूसरों के लिए प्रेरणा बनते हैं.

क्यूकी रॉनी रॉड्रिग्स ने 'बर्थडे बॉय' विजय मड़ाए का जन्मदिन बडी धुमधाम से पांच सितारा होटल में मनाया, इसी वजह से विजय मड़ाए भावुक हुए थे. उन्होने कहा की, ह्मेरी और रॉनी सर के दोस्ती नयी-नयी है. लेकिन हमारा बॉण्ड कई सालों से है ऐसे लगता है. उन्होने इतना बडा ताम झाम किया, सितारोंको बुलाया जो हमारी खुशी में शामिल हुए उनका मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं. और रॉनी सर को बहोत सारी दुआ देता हूं की उन्हे भगवान आसमान की चोटी तक सफलता दे. बॉलीवुड के विख्यात निमार्ता निर्देशक और अभिनेता धीरज कुमार ने कहा कि बातें हो रही हैं कि विजय जी 58 साल की उम्र में रिटायर हो गए लेकिन दरअसल आयु केवल एक अंक है. मैं 80 साल का हो गया हूं और अब भी सक्रिय रहता हूं. आम तौर पर कहा जाता है कि इंसान दुनिया में खाली हाथ आता है और खाली हाथ जाता है लेकिन मेरा कहना और मानना है कि मानव भाग्य लेकर आता है और अपने कर्म लेकर जाता है. तो आप जब तक इस धरती पर हैं अच्छे कर्म करते रहें। पुलिस इंस्पेक्टर विजय मडाए ने इस विशेष अवसर पर अपने बचपन से लेकर अब तक की जिंदगी के बारे में संस्मरण को ताजा किया।

महापालिका मुख्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण - डोंबिवली महानगरपालिका बहुजन कर्मचारी परिवर्तन संस्था एवं जयंती समिति के तत्वावधान में, प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महापुरुषों की संयुक्त जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में, दो दिन तक विविध सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंगलवार को महापालिका मुख्यालय परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन आयुक्त अभिनव गोयल के हाथों संपन्न हुआ। शिविर में नेत्र जांच, रक्तदान, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की जांच की गई।

साथ ही, भारतीय संविधान के अमृत महोत्सव वर्ष के अंतर्गत एक चित्रप्रदर्शनी का आयोजन कर नागरिकों को संविधान की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में पूर्व महापौर रमेश जाधव, उपायुक्त प्रसाद बोरकर, उपायुक्त रमेश मिसाल, उपायुक्त संजय जाधव, शहर अभियंता अनिता परदेशी और महापालिका के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। वहीं बुधवार, 30 अप्रैल को आचार्य अत्रे रंगमंदिर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मनपा कर्मचारी संस्था के अध्यक्ष चंद्रकांत पोल और जयंती समिति के अध्यक्ष संतोष हेरोडे द्वारा मान्यवरों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन समाधान मोरे ने किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पीयू परिसर की सेमेस्टर परीक्षा 2025 का मूल्यांकन शुरू

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों की सम सेमेस्टर/वार्षिक परीक्षा 2025 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन बाबा साहब देवरस केंद्रीय मूल्यांकन भवन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो॰ वंदना सिंह ने मंगलवार को विधिवत पूजन के उपरांत प्रारंभ कराया। उन्होंने डा. संजीव गंगवार, श्रीमती जया शुक्ला, डॉ. अजय मौर्या, डॉ. अनीश, डॉ. पंकज को मूल्यांकन हेतु उत्तर पुस्तिकाओं का आवंटन किया। उन्होंने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का समय पर सुचितापूर्ण मूल्यांकन करें।

परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर विनोद कुमार सिंह ने राजभवन एवं उत्तर प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश के क्रम में समर्थ पोर्टल का उपयोग करते हुए यथाशीघ्र परीक्षा परिणाम घोषित करने हेतु समन्वयक मूल्यांकन डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह एवं मूल्यांकन समिति डॉ॰ धर्मेन्द्र सिंह, डॉ॰ प्रवीण कुमार सिंह, अशोक कुमार यादव एवं सत्यम उपाध्याय को आवश्यक दिशा- निर्देश दिया। उपकुलसचिव अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों की सम सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रारंभ है और मई के द्वितीय सप्ताह तक संचालित होनी है। जिन विषयों की परीक्षाएं संपन्न होती जा रही हैं उन पाठ्यक्रमों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य भी होता रहेगा जिससे परीक्षा समाप्त होने के उपरांत समय से परीक्षा परिणाम घोषित किया जा सके। परीक्षा मूल्यांकन के उद्घाटन अवसर पर प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. देवराज, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, श्याम त्रिपाठी, लाल बहादुर, जय सिंह, मनु मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद ने की श्रद्धांजलि सभा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आयोजित किया और मोमबत्ती जलाकर पहलगांव कश्मीर में शहीद 28 पर्यटकों को नमन किया। आतंकवाद और पाकिस्तान विरोधी नारा लगाते हुए भारत विकास परिषद जौनपुर शाखा और सर्वहिंदू समाज ने कोतवाली चौराहे से चहारसु चौराहे तक बड़ी संख्या में हाथों में मोमबत्ती लेकर पदयात्रा किया। चहारसु चौराहा पर खड़े होकर लोगों ने आतंकवाद के खिलाफ अपने गुस्से को प्रकट किया। इस अवसर पर जिला समन्वयक डॉक्टर पी के संतोषी शाखाअध्यक्ष सत्येंद्र अग्रहरि एवं पूर्व अध्यक्ष भृगुनाथ पाठक, दिवाकर गुप्ता, संदीप सेठी, संजय साहू, आशुतोष पाठक, संतोष अग्रहरि, प्रभात भाटिया, ध्रुव जायसवाल, विकास गुप्ता, संजय साहू सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

निषाद एवं अन्य ओबीसी समाज के युवा, महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने निकाला कैंडल मार्च

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार को जौनपुर में भगवान निषादराज जन सेवा समिति के नेतृत्व में निषाद एवं अन्य ओबीसी समाज के युवा महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकाला और पाकिस्तान का प्रतीकात्मक पुतला फूंका कैंडल मार्च के माध्यम से आतंकी हमले में मारे गए लोगों को अपनी श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की व शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। जोगियापुर से चलकर कैंडल मार्च सद्भावना पुल स्थित गोमती घाट पर सभा के रूप मे परिवर्तित हो गया। संस्था के राष्ट्रीय संयोजक धर्मेंद्र निषाद ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है और हम पहलगाम में हुए आतंकी हमले खिलाफ केंद्र सरकार के किसी भी फैसले के

साथ खड़े है। उन्होंने कहा कि इस घटना से पूरा देश आहत है और इस दुख की घड़ी में निषाद समाज के युवा देश के साथ खड़े है। धर्मेंद्र निषाद ने इस हमले में मारे गए लोगों को अपनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि इस दुखद घटना से पूरे देश में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि इस हमले में उन निर्दोष लोगों की हत्या की गई जो अपने परिवार के साथ कश्मीर घूमने गए थे, बहुत ही दुखद है। मार्च मे संस्था के अध्यक्ष नीरज निषाद कोषाध्यक्ष शिवपूजन निषाद, विशाल सिंह हुकुम, मेराज खान, अजय सोनकर, मुकेश निषाद, रवि निषाद, अमरीश निषाद, अवधेश यादव, प्रमोद निषाद, धीरज निषाद, अरविंद निषाद, रामभवन यादव, अंबिका निषाद, हरिहर पाल, धीरज बिंद, दीपक बिंद, शनि निषाद, संदीप निषाद, बृजेश निषाद, प्रदीप निषाद, अनुरुद्ध शुक्ला, अमर निषाद, बबलू निषाद, आदि मौजूद रहे।

बाबूगंज से हुई परशुराम जयंती पर भव्य शोभा यात्रा की शुरुआत

भगवान परशुराम का पूजन कर निकली शोभा यात्रा

महराजगंज ,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष डॉ अतुल कुमार दुबे के नेतृत्व में महराजगंज ब्लॉक अंतर्गत जिले के छोर बाबूगंज से ग्राम प्रधान धीरज चौबे एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह तथा राय अभय सिंह द्वारा भगवान का पताका लहरा कर तथा स्वामी जगद्गुरु सुरेशाचार्य जी महराज द्वारा मंत्रोच्चारण के बीच पूजन कर भव्य शोभायात्रा की शुरुआत रथ डीजे एवं परशुराम भगवान झांकी द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अक्षय तृतीया के इस शुभ अवसर पर भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पूरे देश में मनाया जा रहा है वहीं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के सी पाण्डेय के आवाह्न पर सभी जिलों में शोभायात्रा निकाली जा रही है। जिसकी जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष ने बताया की बाबूगंज बाजार के बाद भवानीगढ़ सराय पड़री, लोहिंदा चौराहा, महराजगंज पड़ाव, गद्दोपुर बाजार, ठेंगहा बाजार होते हुए धारों धाम मे शारदा परशुराम मंदिर पर पहुंचकर दिव्य मूर्ति का पूजन पुजारी सुनील मिश्र की अगुवाई में अमित पाण्डेय द्वारा किया गया इसके बाद ढेमा, खजूरन बदलापुर चौराहा एवं सरोखनपुर पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क पर सभी एकत्रित होकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए जौनपुर शहर के लिए सभी ने प्रस्थान किया वहीं जगह-जगह लोगों ने भगवान परशुराम का आशीर्वाद लेते हुए संगठन का स्वागत किया जिनमें अखंड राजपूताना संघ के जिला अध्यक्ष अशोक सिंह अखिलेश सिंह अरुण सिंह वही जगन्नाथ शिक्षण संस्थान के प्रबंधक ननकू गुप्ता एवं हेमंत गुप्ता द्वारा स्वागत किया गया एवं ब्लाक प्रमुख पति भाजपा नेता विनय कुमार सिंह द्वारा शोभा यात्रा का स्वागत किया गया एवं पूर्व प्रधान प्रयास उपाध्याय द्वारा युवाओं के विशाल जन समूह के साथ गद्दोपुर बाजार में शोभायात्रा का स्वागत कर शोभायात्रा में शामिल हुए भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष यादवेंद्र प्रताप सिंह लव कुश महराजगंज तिराहे पर विशेष व्यवस्था की गई तथा स्वामी श्याम जी महराज का भी योगदान रहा क्षेत्रीय विधायक रमेश चंद्र मिश्र एवं नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि वैभव सिंह द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया अपने भाषण में कहा कि बहुत जल्द बदलापुर विधानसभा में दूसरा परशुराम गेट जल्द बनाया जाए वही पूर्ण निर्मित द्वारा भगवान परशुराम द्वार का हरिहरपुर विधायक ने चर्चा किया। तथा इस मौके पर जिला अध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार दुबे, जगदीश उपाध्याय, सुरेंद्रनाथ तिवारी, नागेंद्र कुमार मिश्र, धर्मेंद्र तिवारी, राजेंद्र प्रसाद मिश्र, अमित पाण्डेय पत्रकार, ब्लॉक अध्यक्ष श्याम मिश्र, पंकज उपाध्याय, संदीप मिश्र, महेंद्र उपाध्याय, चंदन तिवारी, दीपक मिश्रा, भैया लाल उपाध्याय, राजेश उपाध्याय, रमेश मिश्रा, अमरपाल तिवारी, भोले मिश्रा, अमितेंद्र तिवारी, कल्पनाथ उपाध्याय, निलेश मिश्रा, रामजी पांडे,लालन दुबे, संजय तिवारी, अमित पाण्डेय मुन्ना तथा क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

विभिन्न बैंकों का जिलाधिकारी द्वारा लगातार निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना में जनपद में प्रगति लाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा लगातार विभिन्न बैंकों का निरीक्षण, उद्यमियों से वार्ता और इसके साथ ही उनके द्वारा आवेदकों से संवाद स्थापित करते हुए नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा की जा रही है जिलाधिकारी ने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी का संकल्प है कि जनपद के युवाओं को उद्यमी बनाकर रोजगार सृजन के रूप में उन्हें आगे बढ़ाया जाए जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ ही साथ अन्य युवाओं को रोजगार मिल सके।

उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद का लक्ष्य 2200 रखा गया है जिसके क्रम में मात्र 01 महीने में ही 1100 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिनमें से 404 का ऋण स्वीकृत और 215 को ऋण वितरित कर दिया गया है जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद में 215 लोगों को ऋण वितरित करने के साथ ही ऋण स्वीकृति और वितरण में जनपद को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिये हुए कहा है कि जिन बैंकों के द्वारा लोन देने में लापरवाही बरती जा रही है उन बैंकों को चिन्हित करते हुए औचक निरीक्षण किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जनपद में ऋण वितरण करने में उत्कृष्ट कार्य करने पर जिलाधिकारी के द्वारा बैंकर्स और उद्यमियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह शासन की महत्वाकांक्षी और महत्वपूर्ण योजना है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी। सभी बैंक अधिक से अधिक पात्र युवाओं को ऋण वितरित करें।जिससे जनपद के सीडी रेशियों में भी वृद्धि हो।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कोलवासरी प्रवाह पर हुआ विशेष व्याख्यान

स्वच्छ एवं शुद्ध जल को प्रदूषित एवं दुरुपयोग होने से बचाने की जरूरतः डॉ.विनय कुमार सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा जल

संचयन जन भागीदारी के अंतर्गत विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज के सीएमपी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के डॉ विनय कुमार सिंह ने कहा कि सर्फेस वॉटर बॉडीज के संरक्षण और उनके सतत प्रबंधन की जरूरत है। डॉ. सिंह ने बताया कि कोलवासरी में कोल को साफ करने हेतु जल का अधिक अपव्यय किया जाता है ऐसी कोलवासरी में हमें पीने योग्य जल को बचाने की जरूरत है साथ ही साथ धुलाई वाले जल का ट्रीटमेंट कर नदी में ड्रेन करने की जरूरत है। अन्यथा की स्थिति में कोलवासरी से जाने वाले हेवी मेटल नदियों के जलीय जीव के प्रजनन को प्रभावित करते हैं और अंत में वही जलीय जीव मानव द्वारा उपयोग में लाया जाता है जिसका प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ता है।

उन्होंने कहा कि नदी में जाने वाले अपशिष्ट हेवी मेटल नदी को प्रदूषित करते हैं और हमारा भूगर्भ जल भी प्रदूषित होता है। इस अवसर पर विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रोफेसर राजेश शर्मा ने कोलवासरी में पाए जाने वाले हेवी मेटल का विभिन्न प्रकार के माइक्रोव द्वारा रिमूव करने की जरूरत पर बल दिया।इस अवसर पर जल संचयन जन भागीदारी के नोडल अधिकारी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ विवेक कुमार पाण्डेय द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय प्रवर्तन किया गया। छात्रा अंकिता ने धन्यवाद एवं संचालन पर्यावरण विज्ञान विभाग की छात्रा वर्षा यादव ने किया।

नहाते वक्त युवक नदी में डूबा, मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के महाराजगंज क्षेत्र के मजीठी गांव निवासी एक 23 वर्षीय युवक की सई नदी के बोझनाथ घाट पर नहाते समय डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।मिली जानकारी के मुताबिक, उक्त गांव निवासी हर्ष सिंह पुत्र प्रहलाद सिंह सोमवार की दोपहर अपने साथियों के साथ नदी में नहाने गया था। गहराई का सही अंदाजा न लग पाने के कारण वह पानी में एकाएक डूबने लगा तो साथ में नहाने वाले साथियों के शोर मचाने पर पहुंचे ग्रामीणों ने उसे बचाने का प्रयास किया। दुर्भाग्यवश तब तक हर्ष की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। परिजनों में घटना के बाद कोहराम मच गया है। गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

जौनपुर के 10 मन्दिरों का होगा सुन्दरीकरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पर्यटन सूचना अधिकारी मीनाक्षी यादव ने अवगत कराया है कि जनप्रतिनिधिगण तथा प्रशासन के सहयोग से प्रदेश सरकार द्वारा श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को आकर्षित किये जाने के उद्देश्य से उन्हें पर्यटक सुविधायें उपलब्ध कराये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 में पर्यटन विभाग द्वारा जनपद जौनपुर में रू0 745 लाख की लागत की 10 परियोजनाएं स्वीकृत की गयी है। वर्ष 2024-25 में राज्य योजना के अंतर्गत जनपद जौनपुर में ग्रामसभा बेहड़ा, विकास खण्ड केराकत में रू0 91.99 लाख की लागत से श्री शिवालय मन्दिर का पर्यटन विकास, रू0 106.51 लाख की लागत से बड़े हनुमान मन्दिर रासमण्डल निकट सिपाह का पर्यटन विकास, तहसील मड़ियाहूँ में रू0 100.57 लाख की लागत से स्वयंभू स्वप्रकट्य प्राचीन शिव जी मन्दिर (शिवाला) का पर्यटन विकास, रू0 97.16 लाख की लागत से सई नदी के किनारे प्राचीन नागेश्वरधाम मन्दिर का पर्यटन विकास, ग्रामसभा निभापुर, विकासखण्ड मुगराबादशाहपुर में रू0 100.10 लाख की लागत से पियरी देवी धाम का पर्यटन विकास का कार्य कराये जाने की योजनाएं स्वीकृत की गयी हैं।इसके साथ ही जिला योजना के अंतर्गत विकास खण्ड खुटहन के ग्राम पोटरही में रू0 49.97 लाख की लागत से शिव मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं पर्यटन विकास का कार्य कराये जाने की योजना स्वीकृत की गयी है। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के अंतर्गत जनपद जौनपुर के ग्रामसभा मानीकला में रू0 49.97 लाख की लागत से काली माँ मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं पर्यटन विकास कार्य, रू0 49.56 लाख की लागत से कुत्तुपुर चौराहे पर माँ दुर्गा मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं पर्यटन विकास कार्य, रू0 49.81 लाख की लागत से मनेछा में राम जानकी मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं पर्यटन विकास कार्य तथा रू0 49.36 लाख की लागत से भदेनी में शिव मन्दिर का जीर्णोद्धार एवं पर्यटन विकास कार्य कराये जाने की योजनाएं स्वीकृत की गयी हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर प्रदेश में पर्यटन की अवस्थापना सुविधाओं में विकास के साथ-साथ पर्यटकों के आवागमन में बढ़ोत्तरी होगी। इन योजनाओं को ससमय पूर्ण करने हेतु उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कापोर्रेशन लिमिटेड को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है।

कोतवाली पुलिस ने 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों/वांछितों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशाझनिर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण तथा प्र0नि0 कोतवाली के कुशल नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 118/25 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस से सम्बधिंत फरार आरोपीगण 1- मीरा देवी पत्नी राकेश हरिजन निवासी हिरामनपुर थाना सिंधौरा जनपद वाराणसी 2.मधुना देवी पत्नी भुल्लर हरिजन निवासी हीरामन पुर थाना सिन्धौरा वाराणसी व 3.रमावती देवी पत्नी कल्पू हरिजन निवासी हीरामन पुर थाना सिन्धौरा वाराणसी को दिनांक 29.04.2025 को समय करीब 11.30 बजे दिन में कोतवाली क्षेत्र के चहारसु चौराहे के पासे से मुखबीर खास की सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है जिसके कब्जे से चोरी का कुल 7960 रुपये बरामद किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है।

सिंगरामऊ पुलिस ने 25 हजार के इनामिया व गैंगेस्टर एक्ट में वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों/ वांछित/इनामिया की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।विशेष अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बदलापुर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 36/24 धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम से सम्बन्धिंत वाछिंत/पुरूस्कार घोषित आरोपी आजाद सिंह उर्फ श्रीराम पुत्र स्व0 अरविन्द सिंह निवासी ग्राम संगुलपुर थाना जफराबाद जनपद जौनपुर जो लगातार विगत एक वर्ष से फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी हेतु। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा 25,000 रुपए का पुरूस्कार घोषित

किया गया था जिसकी गिरफ्तारी के क्रम में मुझ प्रभारी निरीक्षक गजानन्द चौबे मय पुलिस टीम का0 आलोक सिंह, का0 जितेन्द्र प्रताप सिंह व का0 सौरभ सिंह द्वारा आरोपी आजाद सिंह को जनपदीय सर्विलांस टीम की सूचना के आधार पर दिनांक 25.04.25 को समय 20.10 बजे श्री शनिदेव मन्दिर के पास, महादेव इण्टिरियर के सामने जूस की दुकान वस्त्राल थाना रामोल जनपद अहमदाबाद, गुजरात से गिरफ्तार किया गया। आरोपी आजाद सिंह उपरोक्त के विरूद्ध मा0 गैंगस्टर कोर्ट जनपद जौनपुर द्वारा एनबीडब्लू जारी है अतः एडिशनल चीफ मजिस्ट्रेट मेट्रोपोलिटन कोर्ट अहमदाबाद, गुजरात से अभियुक्त का ट्रांजिंट रिमाण्ड प्राप्त किया गया।तत्पश्चात आरोपी न्यायालय गैंगस्टर कोर्ट जौनपुर के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

न्याय और धर्म के प्रहरी थे भगवान परशुरामः ओमप्रकाश दुबे

◆ धूमधाम से मनाई गई भगवान परशुराम की जयंती

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कस्बे के बभनौटी मोहल्ला स्थित रामलीला मैदान में मंगलवार को

भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं और नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बदलापुर के पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबे (बाबा दुबे) और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रबंधक अनिल कुमार उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान परशुराम की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण से हुई। इस दौरान अतिथियों ने भगवान परशुराम के जीवन और आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ओमप्रकाश दुबे ने कहा, हमने कभी किसी को तिरस्कृत नहीं किया। रैदास जी हों या श्रीरामचन्द्र जी, हमने सबको भगवान माना। परशुराम जी के कारण ही हमारी धरती और वंशजों की रक्षा हुई। जब उनके पिता की हत्या हुई, तब उनकी माता ने 21 बार विलाप किया और तब परशुराम जी ने संकल्प लिया कि हर्यक वंश के अत्याचारी क्षत्रियों का विनाश करेंगे, न कि पूरे क्षत्रिय समाज का। विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा, हमें गर्व है कि भगवान परशुराम ब्राह्मण कुल में जन्मे। जीवन के प्रत्येक संस्कार में ब्राह्मण की भूमिका महत्वपूर्ण होती है – नामकरण से लेकर अंत्येष्टि तक। एक व्यक्ति में दिनभर ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र के गुण काम करते रहते हैं।इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्रा, डॉ. अशोक पाण्डेय, प्यारे मोहन श्रीवास्तव, डॉ. गजेन्द्र पाण्डेय और रविंद्र मिश्रा ने भी भगवान परशुराम के जीवन दर्शन पर विस्तृत प्रकाश डाला।

गौराबादशाहपुर पुलिस ने चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।विशेष अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी केराकत के निकट पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 प्रदीप कुमार सिंह मय हमराह का0 सुधीर साहू, का0 पीयूष यादव व कस्बा कोबरा के कर्म0गण

हे0का0 शिवबदन प्रसाद, का0 हीरा साहनी व कोबरा तृतीय के कर्म0गण का विशाल कुमार, का0 सतीश गुप्ता द्वारा मुखबीर की सूचना के आधार पर गजना मैरादखान मोड के पास से आरोपीगण 1.अमन उर्फ गोलू पुत्र श्यामधनी विश्वकर्मा निवासी गौराडीहवा थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर 2. दीपक सिंह उर्फ टिन्कू पुत्र जयप्रकाश सिंह निवासी ग्राम पारा पोस्ट रवनिया थाना बरदह जिला आजमगढ के कब्जे से थाना गौराबादशाहपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 88/2025 धारा 303(2)बीएनएसर थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर से सम्बन्धित चोरी गयी मो0सा0नं0 यूपी62वी 4768 के साथ दिनांक 29.04.2025 को समय 00.09 बजे पुलिस हिरासत मे लिया गया गया। आरोपीगण उपरोक्त को गिरफ्तार कर व मो0सा0 को बरामद कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए चालान के न्यायालय किया गया।

अवकाश ग्रहण पर शमशाद को दी गई विदाई

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में भौतिकी प्रयोगशाला में कार्यरत कर्मचारी शमशाद अली के अवकाश ग्रहण सम्मान में विदाई समारोह सोमवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंजीनियरिंग के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने उनके उत्कृष्ट योगदान को सराहा और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो संतोष कुमार ने शमशाद अली के कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि ये एक कर्मठ और विनम्र कर्मचारी थे। समारोह में प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. अमरेंद्र सिंह डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. केवल भारती, श्यामजी त्रिपाठी, रामसेवक यादव, मोहिंदर पाल, चंद्रेश शर्मा सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

सुमन महाविद्यालय खालिसपुर, बदलापुर, जौनपुर उ0प्र0 (सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर) में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत प्राचार्य (01) पद एवं स्नातक स्तर पर कला संकाय एवं विज्ञान संकाय में हिन्दी (01), संस्कृत (01), भूगोल (01), राजनीति शास्त्र (01), समाज शास्त्र (01), गृह विज्ञान (01), शिक्षा शास्त्र (01), गणित (01), भौतिक विज्ञान (01), रसायन विज्ञान (01), जन्तु विज्ञान (01), वनस्पति विज्ञान (01) पदों की आवश्यकता है योग्यता एवं वेतनमान उ0प्र0 शासन यू0जी0सी0 एवं विश्वविद्यालय परिनियमावली के अनुसार निर्धारित होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की सत्यापित प्रतियाँ, 4 पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मोबाइल नम्बर के साथ के विज्ञापन प्रकाशन तिथि से 21 दिन के अन्दर प्रबंधक के पद नाम महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें, साक्षात्कार की सूचना डाक अथवा दूरभाष के माध्यम से दी जाएगी।

प्रबंधक- श्री जगन्नाथ यादव
मो0नं0 9899228814

जिलाधिकारी ने उमानाथ सिंह स्वायत्तशासी मेडिकल कालेज का किया औचक निरीक्षण, मरीजों से जाना हाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा उमानाथ सिंह स्वायत्तशासी मेडिकल कालेज का औचक निरीक्षण किया गया। ओपीडी वार्ड के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा चिकित्सकों से मरीजों के इलाज के सम्बन्ध जानकारी प्राप्त की और पूछा कि इस समय किस रोग के मरीज अधिक आ रहे है। जिलाधिकारी के द्वारा मरीजों हेतु भर्ती वार्ड में सभी मूलभूत सुविधाओं को पूर्ण कराने की तैयारी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए अवशेष कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी के द्वारा मरीजों से संवाद करते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं का

फीड बैक प्राप्त किया गया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि बाहर की दवाई नहीं लिखी जाए। जिलाधिकारी ने चिकित्सकों सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि गम्भीरता पूर्वक कार्य करते हुए मरीजों का इलाज किया जाए। जिससे मरीजों को स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाएं प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर से निर्माण कार्य से सम्बन्धित जानकारी ली और निर्देशित किया कि अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर लिया जाए।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, प्राचार्य मेडिकल कालेज रुचिरा सेठी, सीएमएस जाफरी, डा0 विनोद, डा0 सरोज, डॉ0 कर्नल पटेल सहित अन्य उपस्थित रहें।

प्रसाद लाड को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

मुंबई। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश के उपाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य (MLC) प्रसाद लाड को उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर उनके जनसंपर्क कार्यालय, सायन सर्कल, मुंबई में हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के संवाददाता सुखबिंदर सिंह, ज्योतिषाचार्या श्रद्धा गोरगे, समाजसेविका एवं शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) समर्थक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने श्री लाड को शुभकामनाएं दीं और उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। प्रसाद लाड ने सभी आगंतुकों का अभिनंदन करते हुए अल्पाहार से उनका आभार व्यक्त किया।

बहन की शादी से एक दिन पहले भाई की मौत

हाथरस (उत्तरशक्ति)। 30 अप्रैल को बहन की शादी को लेकर भाई ने क्या-क्या सोच रखा था, सब एक पल में खत्म हो गया। शादी से एक दिन पहले आज भाई की करंट के चपेट में आने से मौत हो गई। शादी की खुशियां मातम में तब्दील हो गईं। बहन के साथ परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हाथरस में सहपऊ क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर निवासी मोनू का 13 वर्षीय पुत्र सचिन कुमार के बहन की शादी कल 30 अप्रैल को होनी है। बारात हाथरस के जलालपुर गांव से आती। 29 अप्रैल सुबह सचिन अपने छोटे भाई शिवम के साथ खेतों में शौच के लिए गया था। शौच करने के बाद वह खेत में बने खड्डे में पानी से हाथ साफ करने के लिए गया। जैसे ही उसने पानी में हाथ डाला, किसान द्वारा लगाई गई झटका मशीन का करंट पानी में उतर आया। वह करंट की चपेट में आ गया और झटका लगते ही पानी में गिर गया। पानी में गिरते ही उसका छोटा भाई शिवम दौड़कर परिजनों के पास गया, उसने उनको बताया कि सचिन पानी में गिर गया है। परिजन दौड़कर मौके पर पहुंचे और उसको पानी से निकाला। उसे आनन-फानन सहपऊ की सीएचसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सपा कार्यकताओं ने करणी सेना के विरोध में निकाला मार्च

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर दलितों और पिछड़ों के खिलाफ अत्याचार बढ़ने का गंभीर आरोप लगाया है। मंगलवार को सपा नेताओं ने आजमगढ़ में राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपकर राज्य की कानून व्यवस्था को पूरी तरह विफल करार दिया। यह कदम सपा के वरिष्ठ दलित चिंतक और राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन पर अलीगढ़ में करणी सेना द्वारा किए गए कथित हमले के विरोध में उठाया गया।

सपा ने ज्ञापन में कहा कि योगी सरकार के शासन में दलितों और पिछड़ों पर अत्याचार और जुल्म लगातार बढ़ रहे हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि करणी सेना द्वारा सांसद रामजीलाल सुमन और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। इसके अलावा, दलित युवाओं को "जय भीम" का नारा लगाने पर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जा रहा है। उन्हें नंगा करके चौराहों पर घसीटा जा रहा है और बेरहमी से पीटा जा रहा है। सपा नेताओं ने दावा किया कि सरकार के संरक्षण में एक विशेष जाति के लोग आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं, जिससे प्रदेश में अपराध की घटनाएं बढ़ी हैं। ज्ञापन में मांग की गई कि मुख्यमंत्री को निर्देश दिए जाएं कि ऐसी घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

पारिवारिक विवाद में युवक ने फंदे से लटककर दी जान

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के ग्राम मझुवा में एक शख्स ने फंदे से लटककर जान दे दी। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की छानबीन में जुट गई। मझुवा गांव निवासी 33 वर्षीय प्रदीप राजभर, पुत्र इंद्रजीत राजभर ने पारिवारिक विवाद में अपने घर में पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना पुलिस को मिलने पर पीआरबी 6212 और थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, प्रदीप राजभर का अपने छोटे भाई गोरेलाल राजभर के साथ किसी पारिवारिक मुद्दे को लेकर विवाद हुआ था। लोगों ने बताया कि घटना के समय प्रदीप नशे की हालत में था। विवाद के बाद उसने घर में ही फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। थाना प्रभारी महाराजगंज विनय कुमार मिश्रा ने बताया कि मौके पर शांति बनी हुई है और फील्ड यूनिट को जांच के लिए भेजा गया है।

डीडीओ ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सीडीपीओ से की पूछताछ

मेंहनगर। बाल विकास परियोजना, मेंहनगर में आंगनबाड़ी कार्यकताओं की शिकायतों की जांच के लिए सोमवार को डीडीओ संजय कुमार सिंह ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे। उनके आगमन से ब्लॉक कर्मचारियों में हड़कंप मच गया और सभी अपने-अपने पटल पर जा बैठे। डीडीओ ने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया और शिकायतों के संबंध में आंगनबाड़ी कार्यकताओं व बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) निरुपमा वर्मा से अलग-अलग बातचीत की। जानकारी के अनुसार, आंगनबाड़ी कार्यकताओं के एक समूह ने स्वघोषित संगठन जिलाध्यक्ष हेमा गुप्ता के नेतृत्व में सीडीपीओ निरुपमा वर्मा के खिलाफ जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया था। सीडीपीओ की तहरीर पर थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने ताला खुलवाया। सीडीपीओ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पति राधेबल्लभ यादव सहित अन्य के खिलाफ थाने में तहरीर दी, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, आंगनबाड़ी कार्यकताओं के एक अन्य समूह ने प्रमिला यादव के नेतृत्व में 225 कार्यकताओं के साथ ब्लॉक मुख्यालय पर सीडीपीओ का समर्थन किया। डीडीओ संजय कुमार सिंह ने दोनों पक्षों से बयान दर्ज किए। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार पोषाहार का वितरण समूहों के माध्यम से किया जाना है। जांच के दौरान सभी पक्षों से विस्तृत बातचीत की गई है और जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी।

लापता अधेड़ का मिला शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी जिले के जंसा थाना क्षेत्र के कुंडरिया गांव के पास मंगलवार की सुबह एक अधेड़ का शव मिला। जिससे मौके पर सनसनी फैल गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुट गई। बताया जा रहा है कि मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के बेनीपुर गांव निवासी फयाराम राजभर (55) बीते 25 अप्रैल को देर रात में घर से गायब हो गए थे। परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद सोमवार को मिजार्मुराद पुलिस को फयाराम के गायब होने की सूचना दी। शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुटी ही थी कि मंगलवार को सुबह कुंडरिया गांव के पास अधेड़ फयाराम का शव मिलने से सनसनी फैल गई।

कारोबार बैंकिंग अनुभव को बढ़ाने के लिए पंजाब नैशनल बैंक ने पीएनबी वन बिज एप को किया अपग्रेड

मुंबई। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने पीएनबी वन बिज मोबाइल बैंकिंग ऐप में महत्वपूर्ण अपग्रेड की घोषणा की है। जिसका उद्देश्य कारोबारी ग्राहकों को स्मार्ट, तीव्र तथा अधिक सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग समाधान प्रदान करना है। इन नए संवर्धन में अब कई प्रभावशाली मॉड्यूल सम्मिलित हैं जो बैंकिंग को सरल बनाने और उद्यमों तथा उद्यमियों के लिए डिजिटल परिवर्तन का समर्थन करने की पीएनबी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। एम-पासबुकः कागज रहित खाता प्रबंधन के लिए लेन-देन विवरण, शेष राशि विवरण और डाउनलोड करने योग्य खाता जानकारी तक वास्तविक समय में एक्सेस प्रदान करता है।

इनवर्ड / आउटवर्ड चेक समाशोधनः वास्तविक समय में चेक समाशोधन की स्थिति की निगरानी, पारदर्शिता तथा बेहतर वित्तीय योजना सुनिश्चित करना है।

पीएनबी चेक सुरक्षाः चेकों को अनधिकृत उपयोग और धोखाधड़ी से बचाने के लिए सुरक्षा की एक नई लेयर।

टीडीएस प्रमाण-पत्र डाउनलोडः ग्राहक टैक्स फाइल करने के प्रयोजन के लिए अपने टीडीएस प्रमाण-पत्र को सीधे मोबाइल ऐप से प्राप्त कर सकते हैं।

बैंक उत्पाद के लिए आवेदन करें - लीड प्रबंधनः कारोबारी अब विभिन्न बैंकिंग उत्पादों के लिए सीधे ऐप के माध्यम से लीड प्रस्तुत कर सकते हैं और वास्तविक समय में उनकी स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं, जिससे आवेदन और अनुवर्ती प्रक्रिया सरल हो जाएगी।

जीएसटी पंजीकरण तथा चालान जनरेशनः ग्राहक अपने जीएसटी नंबर को खाता संख्या या ग्राहक आईडी से जोड़कर पंजीकृत कर सकते हैं और ईमेल के माध्यम से सीधे जीएसटी चालान प्राप्त कर सकते हैं।

उद्यमियों को ध्यान में रखकर बनाया गया यह मोबाइल-फर्स्ट बैंकिंग समाधान कारोबार संचालन को सुव्यवस्थित करता है, जो एमएसएमई को सुविधानुसार कुशल एवं सफल बने रहने में सक्षम बनाता है। चाहे भुगतानों को ट्रैक करना हो या लेन-देन का अनुमोदन हो, पीएनबी वन बिज(ढ्ढठ डल्ली इके) कारोबार बैंकिंग को सरल और अधिक सुलभ बनाता है।

ट्रेन में निशुल्क सफर कर सकेंगे केजीएमयू के मरीज

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में इलाज करा रहे गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को अब ट्रेन से निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। इसके लिए केजीएमयू में जनसुविधा केंद्र खोला जाएगा। केंद्र से मरीजों को निशुल्क यात्रा का पास जारी किया जाएगा। संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि भारतीय रेलवे गंभीर मरीजों को ट्रेन में मुफ्त और रियायती यात्रा की सुविधा देता है। इसके लिए संबंधित अस्पताल से पास जारी करने की जरूरत होती है। केजीएमयू में देश भर से मरीज इलाज कराने आते हैं। इसको देखते हुए यहां जनसुविधा केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके माध्यम से मरीजों को पास दिया जाएगा। इस पास को दिखाकर मरीज रेलवे टिकट काउंटर से मुफ्त और रियायती दर पर टिकट हासिल कर सकेंगे। इसके तहत जनरल व सामान्य आरक्षित श्रेणी का टिकट मुफ्त मिलेगा, जबकि वातानुकूलित श्रेणी के लिए काफी रियायत मिलेगी। जनसुविधा केंद्र खुलने से मरीजों व उनके परिजनों को काफी आसानी होगी। जनसुविधा केंद्र पर रेलवे रिजर्वेशन काउंटर खोलने के लिए रेलवे से संपर्क किया जा रहा है।

हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई सभी एक गुलदस्ते के फूल

पाकिस्तान हमारे देश में धर्म युद्ध कराना चाहता है : अबु आसीम आजमी

मुंबई। मुलुंड की सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक संस्था ₹उत्तर भारतीय संगम₹ के स्थापना के 25 वर्ष पुर्ण होने पर रजत जयंती समारोह का आयोजन जी.एस. शेट्टी सेंट्रल हॉल, मुलुंड प. पर किया गया है। समारोह की अध्यक्षता रमाशंकर तिवारी एवं संचालन डॉ. बाबूलाल सिंह ने किया। प्रमुख अतिथी के रूप में अबू आसीम आजमी अध्यक्ष समाजवादी पार्टी विधायक, रिजवान भाई महासचिव उ.प्र. समाजवादी पार्टी, कांग्रेस नेता डॉ.आर.आर. सिंह, दयाशंकर सिंह, डॉ. सचिन सिंह, समाजसेवी के.एन. सिंह, बीरेन्द्र पाठक, डॉ. आर.एम. पाल, डॉ. राममूर्ति वर्मा, अरूण दीक्षित, अजय आर. सिंह, बबिता गुप्ता, मैना तिवारी, पुष्पा साक्री उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए अबु आसिम आजमी ने कहा कि हमारा देश फूलों का गुलदस्ता है, जिसमें हिंदू,मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी, जैन, बौद्ध सभी मिलजुल कर सम्मान पुर्वक रहते है। यह हक हमें संविधान ने दिया है। काश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा किये गए निर्दोष पर्यटकों की हत्या पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पाकिस्तान आतंकियों की आड़ में हमारे देश में धर्म युद्ध फैलाना चाहता है। पर उसके मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे, हम सब एक हैं। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रख कर दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। सुप्रसिद्ध लोकगीत गायक राजकुमार यदुवंशी,भरत यादव ने गीत संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सह संयोजकअब्दुलजे. खान, बृजनाथ यादव, दीनानाथ यादव, अभयराज यादव, अनिल यादव, के.डी. यादव, अनिरुद्ध दूबे ने सभी अतिथियों का गमछा एवम पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

भगवान परशुराम के कारण ही धरती और वंशजों की रक्षा : बाबा दुबे

जौनपुर। खेतासराय कस्बे के बभनौटी मोहल्ला स्थित रामलीला मैदान में मंगलवार को भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से मनाई गई। मुख्य अतिथि के रूप में बदलापुर के पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबे (बाबा दुबे) और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रबंधक अनिल कुमार उपाध्याय उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ओमप्रकाश दुबे ने कहा कि हमने कभी किसी को तिरस्कृत नहीं किया। रैदास जी हों या श्रीरामचन्द्र जी, हमने सबको भगवान माना। परशुराम जी के कारण ही हमारी धरती और वंशजों की रक्षा हुई। जब उनके पिता की हत्या हुई, तब उनकी माता ने 21 बार विलाप किया और तब परशुराम जी ने संकल्प लिया कि हर्यक वंश के अत्याचारी क्षत्रियों का विनाश करेंगे, न कि पूरे क्षत्रिय समाज का। विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार उपाध्याय ने कहा कि हमें गर्व है कि

भगवान परशुराम ब्राह्मण कुल में जन्मे। जीवन के प्रत्येक संस्कार में ब्राह्मण की भूमिका महत्वपूर्ण होती है - नामकरण से लेकर अंत्येष्टि तक। एक व्यक्ति में दिनभर ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र के गुण काम करते रहते हैं। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्रा, डॉ. अशोक पाण्डेय, प्यारे मोहन श्रीवास्तव, डॉ. गजेन्द्र पाण्डेय और रविंद्र मिश्रा ने भी भगवान परशुराम के जीवन दर्शन पर विस्तृत प्रकाश डाला। संचालन जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय ने किया, जबकि अंत में आयोजक वीरेंद्र पाण्डेय ने सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर मंडल महामंत्री मनीष गुप्ता, शांतिभूषण मिश्रा, रामबाबू पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष उपेन्द्र मिश्रा, बागीश तिवारी, डा. गजेंद्र पाण्डेय, अवधेश पाण्डेय, सोनू अवस्थी, रविन्द्र पाण्डेय, वंश श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ओरल कैंसर जागरूकता के लिए पारस एचएमआरआई अस्पताल ने शुरू की मुहिम

पटना (उत्तरशक्ति)। पारस एचएमआरआई अस्पताल ने मर्क स्पेशियलिटीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर हेड एंड नेक कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर ओरल कैंसर सुरक्षा के लिए दो मिनट की पहल अभियान की शुरूआत की है। इस राष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य ओरल कैंसर के बढ़ते मामलों पर नियंत्रण पाना है। अभियान की शुरूआत के मौके पर अनिल कुमार (जोनल डायरेक्टर, पारस एचएमआरआई पटना), डॉ. अभिषेक आनंद (कंसल्टेंट एवं एचओडी-मेडिकल ऑन्कोलॉजी), डॉ.शेखर केसरी (चीफ कंसल्टेंट- रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), मनीष गुरुदत्ता, युनिट हेड, रामअवतार जांगिड़, जीएम ऑपरेशन, नीरज कुमार फाइनेंस कंट्रोलर एवं मेडिकल स्टाफ की टीम उपस्थित रही। पारस एचएमआरआई के जोनल डायरेक्टर अनिल कुमार ने कहा कि पारस एचएमआरआई अस्पताल में हम बेहतरीन कैंसर इलाज और मरीजों की मदद के लिए काम कर रहे हैं। यह दो मिनट की जांच वाली मुहिम लोगों को जल्दी जांच करने और बीमारी को समय पर निदान करने के लिए जागरूक करती है। हमारा मकसद इलाज के साथ-साथ बीमारी को रोकने के लिए भी काम करना है। वहीं मेडिकल ऑन्कोलॉजी कंसल्टेंट एवं एचओडी डॉ. अभिषेक आनंद ने कहा कि भारत में हेड एंड नेक कैंसर सबसे आम है। इनमें मुंह, गला और आवाज वाली जगहों के कैंसर शामिल हैं। लगभग 65 प्रतिशत मरीज देर से डॉक्टर के पास आते हैं, जिससे उपचार में देरी होती है। समय रहते इलाज न होने के कारण मरीज की मृत्यु भी हो सकती हैं। इसलिए हर महीने सिर्फ दो मिनट शीशे के सामने खुद की जांच करने से कैंसर जल्दी पकड़ में आ सकता है और इलाज करना आसान हो सकता है।

धारदार हथियार से वारकर वृद्ध दंपती की हत्या

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। नैनी के एडीए कॉलोनी में धारदार हथियार से वारकर वृद्ध दंपती की हत्या कर दी गई। घटना के समय दोनों घर में अकेले मौजूद थे। पड़ोसियों से सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के माध्यम से छानबीन शुरू कर दी है। हमलावरों का कुछ पता नहीं चल सका है। अरुण कुमार श्रीवास्तव (66) अपनी पत्नी मीना श्रीवास्तव (60) के साथ एडीए कॉलोनी स्थित अपने मकान में रहते थे। सोमवार को दंपती की हत्या कर दी गई। घटना के समय दोनों घर में अकेले थे। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को घायलावस्था में एसआरएन अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि दंपती को तीन बेटियां और एक बेटा है। तीनों बेटियों की शादी हो गई है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने एमएसएमई और कासा आउटरीच कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने आज अपने एमएसएमई और कासा आउटरीच कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा की, जो एक राष्ट्रव्यापी पहल है जिसका उद्देश्य मौजूदा ग्राहकों के साथ संबंधों को मजबूत करना, नए एमएसएमई ग्राहकों तक पहुंच का विस्तार करना और कासा जमा में सतत वृद्धि को बढ़ावा देना। देश भर में आयोजित आउटरीच कैंम्प आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति द्वारा लगातार ब्याज दरों में कटौती के बाद आयोजित किए गए हैं, जिसके कारण बैंक ऋण पर ब्याज दरों में 50 आधार बिंदु की गिरावट आई है. यूनियन बैंक का एमएसएमई ऋण अब 8.75% की किफायती ब्याज दर पर शुरू हो रहा है। ये कार्यक्रम 28 से 30 अप्रैल, 2025 तक 62 स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे, जिसमें मौजूदा और संभावित ग्राहक, उद्योग सघ, कारोबार निकाय और सरकारी एजेंसियां एक साथ आएंगी. ये कार्यक्रम वित्तीय जरुरतों को पूरा करने, डिजिटल बैंकिंग जागरूकता को बढ़ावा देने और आवश्यता अनुरूप वित्तीय समाधान पेश करने के लिए सहयोगी मंच के रूप में काम करेंगे। एमएसएमई एवं कासा आउटरीच कार्यक्रम ग्राहकों की वित्तीय जरूरतों को समझने, बैंक उत्पादों को प्रदर्शित करने, लीड बनाने और सेवा की गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि में निरंतर सुधार के लिए फीडबैक एकत्र करने पर ध्यान केंद्रित करेगा. यह कार्यक्रम मौजूदा और संभावित एमएसएमई ग्राहकों, स्टार्ट-अप, युवा पेशेवरों, उभरते उद्यमियों, महिला उद्यमियों, बड़े उद्योगों से जुड़े विक्रेता एवं आपूर्तिकर्ता और उद्योग संघों, कारोबार निकायों और वाणिज्य मंडलों के प्रतिनिधियों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा. कासा आउटरीच कार्यक्रम संभावित प्रीमियम कासा ग्राहकों, सरकारी विभाग प्रमुखों, डाक्टरों और अन्य पेशेवरों के लिए बनाया गया है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनियन बैंक के वरिष्ठ अधिकारी करेंगे और यह ग्राहकों को बैंक से जुड़ने तथा अपने अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा. आउटरीच के दौरान, ग्राहकों को अपने कासा खातों को अपग्रेड करने और मौके पर ही वेतन खातों को सक्रिय करने का अवसर मिलेगा. कार्यक्रम में मौकें पर ही लॉकर स्वीकृति, व्योम डिजिटल बैंकिंग पंजीकरण और इंटरनेट बैंकिंग तथा मोबाइल बैंकिंग सक्रिय करने हेतु समर्पित सहायता डेस्क भी शामिल होंगे।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी को खंभे से बांधकर पीटा

बरेली (उत्तरशक्ति)। बरेली के फरीदपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में गोलगप्पे बेचने वाला युवक आधी रात को दूसरे समुदाय की प्रेमिका से मिलने पहुंचा तो ग्राम प्रधान की मौजूदगी में लड़की के परिजनों व ग्रामीणों ने खंभे से बांधकर बुरी तरह पीटा। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद हेड कांस्टेबल बबलू कुमार ने प्रधान व लड़की के पिता और भाई समेत 10 लोगों पर जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अन्य आरोपी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। झांसी जिले का रहने वाला युवक पांच साल से फरीदपुर क्षेत्र के एक गांव में रहकर गोलगप्पे बेचने का काम करता था। इसी दौरान उसका दूसरे समुदाय की युवती से प्रेम प्रसंग हो गया। तीन दिन पहले आधी रात को वह प्रेमिका से मिलने पहुंचा। युवती के परिजनों ने उसे पकड़ लिया। गांव के चौराहे पर बिजली के खंभे से बांधकर उसे पीटना शुरू कर दिया। जब उसके सिर से खून बहने लगा तभी गांव के ही एक बुजुर्ग ने रस्सी खोली। इसके बाद युवक वहां से चला गया। आरोपियों ने गांव में दोबारा दिखने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। ग्रामीणों के अनुसार उस वक्त घटना की जानकारी होने पर कुछ पुलिसकर्मी गांव पहुंचे थे और जांच भी की, लेकिन तब मामला शांत करा दिया गया।

अक्षय तृतीया के अवसर पर एवरलाइट बाय सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स ने अंधेरी मेट्रो स्टेशन पर अपना नया स्टोर लॉन्च किया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। ज्वेलरी उद्योग में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए, सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स ने 'एवरलाइट बाय सेनको' के तहत मुंबई के व्यस्त अंधेरी मेट्रो स्टेशन पर अपना पहला मेट्रो स्टेशन स्टोर लॉन्च किया है। महज 200 वर्ग फुट में फैला ब्रांड का यह 177वां नया स्टोर सेनको की उत्कृष्ट कारीगरी और खूबसूरत ज्वेलरी को शहरभर के ग्राहकों के करीब लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस भव्य अवसर को और भी खास बनाने के लिए, मशहूर अभिनेत्री और मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर ने अंधेरी ईस्ट स्थित इस नए स्टोर का उद्घाटन किया। 'एवरलाइट बाय सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स' स्टोर में हल्के वजन वाले, आधुनिक और रोजमर्रा की जरूरतों के अनुरूप बनाए गए डिजाइनर ज्वेलरी का विस्तृत कलेक्शन प्रस्तुत किया गया है, जो

हर अवसर के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाता है। स्टोर लॉन्च पर सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स की डायरेक्टर जोइता सेन ने कहा, मुंबई हमारे दिल के बहुत करीब है। हम बेहद उत्साहित हैं कि अब हम मुंबई के मेट्रो नेटवर्क के केंद्र में ग्राहकों को आधुनिक, हल्के और वर्सटाइल ज्वेलरी का अनुभव दे सकेंगे, वो भी बेहतरीन कारीगरी और स्टाइल के साथ। इस शुभ अवसर पर मानुषी छिल्लर की उपस्थिति ने इस जश्न को और खास बना दिया है। सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के मुख्य महाप्रबंधक धवल राजा ने कहा, अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाते हुए, हम मुंबई शहर में 'एवरलाइट बाय सेनको' के हल्के वजन वाले ज्वेलरी कलेक्शन को पेश करते हुए रोमांचित हैं। इस नए स्टोर के साथ हम अब भारत में 177 स्टोर्स तक पहुंच गए हैं। मेट्रो स्टेशन के अंदर ज्वेलरी स्टोर खोलने का यह पहला प्रयास हमारे ग्राहकों के रोजमर्रा के जीवन में उत्कृष्ट कारीगरी और आधुनिक डिजाइन को और नजदीक लाने की दिशा में एक नया कदम है।

स्टोर के उद्घाटन पर उत्साह व्यक्त करते हुए अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने कहा, ₹सपनों के शहर मुंबई में सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के नए स्टोर के लॉन्च का हिस्सा बनकर मैं बेहद खुश हूं। मुंबई का जीवन और मेट्रो स्टेशन गहरे जुड़े हुए हैं, ऐसे में अंधेरी जैसे व्यस्त स्थल पर स्टोर खोलना हर कामकाजी महिला के लिए इसे एक आदर्श स्थान बनाता है। सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स हमेशा से शिष्टता और परंपरा का प्रतीक रहा है, और 'एवरलाइट' की हल्की और आधुनिक डिजाइनें आज की आधुनिक भारतीय महिलाओं की स्टाइल और व्यावहारिकता दोनों को खूबसूरती से दर्शाती हैं। मुझे विश्वास है कि मुंबई के लोग इन शानदार कलेक्शनों को बेहद पसंद करेंगे।

MATTER ने AERA दुनिया की पहली गियर वाली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल की राष्ट्रीय स्तर पर तेजी से उपलब्धता बढ़ाने की शुरुआत की

मुंबई। बेंगलुरु में शानदार लॉन्चिंग के बाद अब MATTER दुनिया की पहली मैन्युफैक्चर्ड हाइपरशिफ्ट गियर्ड इलेक्ट्रिक मोटरसाइक को भारत के अन्य बड़े शहरों में लॉन्च करने के लिए तैयार है। MATTER की देशव्यापी विस्तार की योजना के तहत अगले 45 दिन में अएफ्रा को पुणे, दिल्ली, चेन्नई, कोयंबटूर, मुंबई, जयपुर, सूरत और राजकोट में लॉन्च किया जाएगा। अपने प्रतिष्ठित डिजाइन, क्रांतिकारी तकनीक और बेजोड़ सवारी अनुभव के साथ अएफ्रा पहले ही लोगों की अपेक्षाओं को एक नई दिशा दे चुकी है। यह मोटरसाइकिल बिजली से चलने वाली नवीनता को गियर बदलने के रोमांच से जोड़ती है। अब यह क्रांति नए शहरों की ओर बढ़ने को तैयार है। matter.in और फ्लिपकार्ट पर इसकी प्री बुकिंग शुरू हो गई है। अभी कंपनी शुरूआती खरीदारों को विशेष ऑफर भी दे रही है। अपने शहर में अएफ्रा को चलाने वाले पहले शख्स बनिए और भविष्य की राइडिंग के लिए तैयार हो जाइए। इन शहरों में होगी लॉन्चिंग पुणे, दिल्ली, चेन्नई, कोयंबटूर, मुंबई, जयपुर, सूरत, राजकोट हर शहर में होने वाले लॉन्च के दौरान यह शामिल होगा: AERA की खूबियों को नजदीक से जानने के लिए विशेष एक्सपीरियंस हब्स। रियल टाइम टेस्ट राइड, शुरूआती खरीदारों के लिए विशेष कीमत और खास लाभ, ऑनलाइन प्री बुकिंग पर प्रायोरिटी डिलीवरी मिलेगी। MATTER के संस्थापक एवं सीईओ मोहाल लालभाई ने कहा, बेंगलुरु में हमें शानदार प्रतिक्रिया मिली है। अगले चरण में हम भारत के अन्य प्रमुख शहरों में भी AERA को उपलब्ध कराने की तैयारी में हैं। हम एक ऐसा प्रोडक्ट दे रहे हैं, जो न केवल हाइटेक है, बल्कि यह भारतीय रास्तों और भारतीयों की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप भी है। बुकिंग शुरू हो गई है और राइडिंग का फ्यूचर आपसे सिर्फ एक क्लिक की दूरी पर है।

इस साल अक्षय तृतीया पर पाएं प्लेटिनम ज्वेलरी का अक्षय आशीर्वाद

मुंबई। हिंदू संस्कृति के सबसे पवित्र त्योहारों में से एक, अक्षय तृतीया नई शुरुआत, समृद्धि और सौभाग्य के साथ नए प्रयासों और अक्षय आशीर्वाद का प्रतीक है। इस साल 30 अप्रैल, 2025 को अक्षय तृतीया मनाया जा रहा है। अक्षय तृतीया के उत्सव की शुरूआत के साथ हुए ब्राइट खरीदने का भी काफी ज्यादा महत्व है क्योंकि यह शुद्धता और पवित्रता को प्रदर्शित करता है। प्लेटिनम ज्वेलरी 95 प्रतिशत शुद्धता और कालातीत आकर्षण के साथ अंदर से बाहर तक सफेद है, जो अक्षय तृतीया के मूल भाव को आत्मसात करता है। पृथ्वी पर मौजूद सबसे दुर्लभ और शुद्ध मैटल के रूप में प्लेटिनम अपनी प्राकृतिक सफेद चमक के लिए मशहूर है, जो कभी भी फीकी नहीं पड़ती है। इसलिए यह पवित्र उत्सवों के लिए उपयुक्त है। अपने शुद्धता के गुण के कारण अक्षय तृतीया मनाने के लिए प्लेटिनम ज्वेलरी सबसे उत्तम है। प्लेटिनम ज्वेलरी ग्राहकों को अक्षय तृतीया मनाने के लिए विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। महिलाओं के लिए प्लेटिनम इवारा, पुरुषों के लिए मेन ऑफ प्लेटिनम, और युगलों के लिए प्लेटिनम लव बैंड्स अद्वितीय ज्वेलरी के साथ प्रतिबद्धता की सुंदर अभिव्यक्ति करते हैं। प्लेटिनम ज्वेलरी पारंपरिकता को आधुनिकता से जोड़ती है। यह कई पीढ़ियों से स्थायी समृद्धि और सौंदर्य का प्रतीक है। हर प्लेटिनम ज्वेलरी पर अंकित "Pt 950" इसकी सर्वोच्च शुद्धता को प्रदर्शित करता है, जो अक्षय तृतीया मनाने के लिए सर्वोत्तम है।

जमीनी विवाद में जिंदा जलाया गया वृद्ध, इलाज के दौरान हुई मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहीद उमानाथ सिंह चिकित्सालय में आज सुबह लगभग 4:00 बजे एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई जिसमें एक 65 साल के वृद्ध को जमीनी विवाद में जिंदा जला दिया गया आजमगढ़ जिले के देवगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत श्रीकांतपुर कसडे गांव में जमीनी विवाद ने एक दिल दहला देने वाली घटना को जन्म दिया। सोमवार रात 2:00 बजे पड़ोसी इस घर में सो रहे 65 वर्षीय वृद्ध राम करन विश्वकर्मा को पेट्रोल छिड़क कर आग के हवाले कर दिया गया गंभीर रूप से झुलसे वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल को आनन-फानन में टिगराहा सीएचसी, लालगंज पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने राम करन की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जौनपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहाँ इलाज के दौरान मंगलवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया झुलसने से पहले हुए वृद्ध ने खुद आरोपियों के नाम लिए थे जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जौनपुर के किन्नरों ने कहा पाक के आतंकवादी हमसे भी बड़े हिजड़े निकले

बोले मेरी ताली से मर जायेंगे पाकिस्तानी आतंकवादी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटक नरसंहार से किन्नर समाज में खास गुस्सा है। भारी संख्या में किन्नरों ने कैंडल मार्च निकालकर दिवंगत पर्यटकों को श्रद्धांजलि दिया। पाकिस्तान पर अपनी भड़ास निकालते कहा कि तुमने निहत्थे लोगो को मारकर यह साबित कर दिया कि तुम लोग हम हिजड़ो से भी कमजोर हो। किन्नरों ने प्रधानमंत्री से मांग किया कि सभी आतंकवादियों को पकड़कर किन्नर समाज को सौंप दिया जाय तो हम उन्हें सबक सिखा देंगे जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा निरीह पर्यटकों को गोलियों से भुनकर हत्या करने की वारदात से जहां देश का हर नागरिक आक्रोशित और मर्माहत है वहीं किन्नर समाज में भी खासा गुस्सा है। गुलाबी समिति की अध्यक्ष बिट्टू किन्नर की अगुवाई में भारी संख्या में किन्नरों ने सोमवार की देर शाम नगर गांधी प्रतिमा पर पहुंचकर कैंडिल मार्च निकालकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना किया। उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ जमकर अपनी भड़ास निकाला। बिट्टू समेत सभी किन्नरों ने कहा कि आतंकवादी मर्द होते तो आम जनता नहीं हमारे देश के सैनिकों के साथ युद्ध करते तो उन्हे छठ्ठी की दूध याद आ जाती तुम लोग जो हरकत किया है उससे साफ हो गया है तुमसे बेहतर तो हम हिजड़े है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बाढ़ स्टीयरिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बाढ़ स्टीयरिंग कमेटी की बैठक कलक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ से बचाव के लिए परियोजनाओं के तहत चल रहे कार्यों को वर्षा के पूर्व पूर्ण कर लिया जाए। वर्षा के दौरान किसी भी दशा में जलजमाव न होने पाए, इसकी भी तैयारी पूर्व में ही कर ली जाए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग से कितने तटबंध बने हैं इसके संदर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि जितने भी तटबंध अभी नहीं भरे गए हैं वह सभी भर दिए जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान संपर्क मार्ग, खाद्य सामग्री, पशुओं के हरे चारे की व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, पुलिस बल की तैनाती, पेयजल, बिजली आदि की तैयारी संबंधित अधिकारी पूर्ण कर लें, जिससे बाढ़ के समय किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। बाढ़ को लेकर सभी अधिकारी अलर्ट मोड में रहे। जिलाधिकारी ने हीट वेव के दृष्टिगत जगह-जगह पर प्याऊ की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0 एवं रा0 राम अक्षयवर चौहान, उपजिलाधिकारी सदर संतोष सिंह, उपजिलाधिकारी केराकत सुनील कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

घर से गायब वृद्धा का शव सीवान में पाए जाने से क्षेत्र फैली सनसनी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र में पांच दिन पहले घर से अचानक गायब हुई महिला का मगलवार को गांव के सीवान में शव मिला है। ग्रामीणों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी है। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल किया ।ताजुद्दीनपुर पूरा फगुई गांव निवासी गंगाराम ने 27 अप्रैल को कोतवाली पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि उनकी 65 वर्षीया पत्नी फूला देवी जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, 24अप्रैल को दोपहर में घर से निकल गई। उनकी बहुत खोजबीन की परन्तु पता नहीं चला है ।मामले में पुलिस ने 27 अप्रैल को गुमशुदगी दर्ज कर ली।29 अप्रैल मंगलवार को सुबह ही उक्त गांव की नहर के किनारे पुआल की गजहर के पास उक्त महिला का शव मिला है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पूछताछ कर रही हैं। मामले में प्रभारी निरीक्षक विनीत राय का कहना है कि महिला की गुमशदगी दर्ज है। मृत्यु के कारण के बारे में लोगों से पूछताछ की गई है ।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने मुंबई में आदित्य ज्योत आई हॉस्पिटल ए यूनिट ऑफ डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल का किया उद्घाटन

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल, सी. पी. राधाकृष्णन ने आज मुंबई के वडाला में नए स्वरूप में तैयार किए गए आदित्य ज्योत आई हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। यह डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल की एक इकाई है, जिसे 9,000 वर्ग-फुट क्षेत्र में नए सिरे से तैयार किया गया है। इस समूह ने पूरे महाराष्ट्र में अत्याधुनिक तकनीक से आँखों के इलाज को सभी के लिए सुलभ बनाने के अपने मिशन की दिशा में यह कदम उठाया है। इस अस्पताल में सभी अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिनमें ऑपरेशन के लिए मॉड्यूलर थियेटर, विश्वस्तरीय लेजर रिफ्रैक्टिव ऑपरेशन थियेटर, एक आधुनिक ऑप्टिकल रिटेल एवं डायग्नोस्टिक डिस्प्ले यूनिट, और सभी जरूरी दवाइयों का पूरा स्टॉक रखने वाली इन-हाउस फार्मेसी शामिल है। इस केंद्र को सहज तरीके से आँखों के उपचार से जुड़ी सभी सेवाएँ प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जहाँ अब आँखों के इलाज से संबंधित तमाम सुविधाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी, जिनमें मोतियाबिंद, रेटिना, कॉर्निया, लेसिक, ग्लूकोमा, यूवाइटिस, स्क्विंट, पीडियाट्रिक ऑप्थैल्मोलॉजी, न्यूरो-ऑप्थैल्मोलॉजी, एडवांस आई ट्रोमा सेंटर, अक्युलर ऑकोलॉजी और ओकुलोप्लास्टी में अत्याधुनिक उपचार शामिल हैं। इस अस्पताल में आँखों के इलाज के लिए अत्याधुनिक तकनीक की व्यवस्था की गई है, जिससे सटीक तरीके से की जाने वाली डायग्नोसिस और उपचार में मदद मिलती है। यहाँ उपलब्ध मुख्य सुविधाओं में रेटिना एवं मोतियाबिंद के अत्याधुनिक उपचार के लिए एलकॉन कांस्टेलेशन सर्जिकल यूनिट और 3D ARTEVO माइक्रोस्कोप, हाई स्पीड लेसिक के लिए वेव लाइट ए500, तथा रेटिना एवं पोस्टीरियर कैप्सुलोटॉमी उपचारों के लिए ZEISS ग्रीन लेजर और अत्र लेजर जैसे लेजर प्लेटफॉर्म शामिल हैं। डायग्नोस्टिक और इमेजिंग की क्षमताएँ ठक्झ्ड मिरांटे, ZEISS OCT 5000, पेन्टाकैम, ZEISS IOL मास्टर, और बी-स्कैन जैसी तकनीकों पर आधारित हैं। इसके अलावा, इनडायरेक्ट ऑप्थाल्मोस्कोप और एप्लानेशन टोनोमीटर जैसे उपकरणों की मदद से चिकित्सकीय जाँच को बेहतर बनाया गया है – इस तरह आँखों के उपचार के लिए सभी सुविधाएँ और विश्वस्तरीय देखभाल एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा, हमें सचमुच यह देखकर प्रेरणा मिलती है कि डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल नेटवर्क के हिस्से के रूप में आदित्य ज्योत आई हॉस्पिटल उत्कृष्टता के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। नए जमाने की सभी सुविधाओं से सुसज्जित यह केंद्र इस बात की मिसाल है कि जब मरीज को सबसे अधिक अहमियत देने की सोच के साथ अत्याधुनिक चिकित्सा में नवाचार किए जाते हैं, तो स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के स्तर को कई गुना बेहतर बनाया जा सकता है। मैं पूरी टीम की सराहना करता हूं, जो पूरे महाराष्ट्र में आंखों के उपचार को बेहतर बनाने और विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा को हर नागरिक के लिए सुलभ बनाने के अपने संकल्प पर कायम है।

काशी के गणेश्वर शास्त्री द्राविड को पद्मश्री, उनके कार्यों के लिए राष्ट्रपति नें किया सम्म्मानित

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को में श्री काशी विश्वनाथ धाम का मुहूर्त निकालने वाले विद्वान पंडित गणेश्वर शास्त्री द्राविड को पद्मश्री प्रदान किया। यह सम्मान ज्योतिष के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने और सांस्कृतिक विरासतों को संरक्षित करने के लिए दिया गया है। सम्मान दिए जाने का एलान पहले ही हुआ था ।काशी की पुरातन विद्वत परंपरा के संवाहक व वेदशास्त्र विद्या के मर्मज्ञ विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्राविड को पद्मश्री मिलने पर काशी के विद्वत समाज ने खुशी जताई है। विश्वेश्वर शास्त्री द्राविड ने बताया कि रामघाट पर स्थित श्री वल्लभराम शालिग्राम सांगवेद विद्यालय और श्री गीर्वाणवाग्वर्धिनी सभा इस सम्मान से गौरवान्वित हुए हैं। गणेश्वर शास्त्री द्राविड की ख्याति सर्वत्र व्याप्त है। अपने पिता पद्मभूषण पंडितराज राजेश्वर शास्त्री द्राविड से प्राप्त शिक्षा के अनुसार विद्याव्रत का परिपालन करते हुए उन्होंने असंख्य लोगों को विद्या दान दिया। उन्होंने अयोध्या राम मंदिर के शिलान्यास के लिए दुर्लभतम 32 सेकंड का सूक्ष्म मुहूर्त और मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए 84 सेकेंड का श्रेष्ठतम मुहूर्त दिया था।

घर से गायब वृद्धा का शव सीवान में पाए जाने से क्षेत्र फैली सनसनी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र में पांच दिन पहले घर से अचानक गायब हुई महिला का मगलवार को गांव के सीवान में शव मिला है। ग्रामीणों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी है। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल किया ।ताजुद्दीनपुर पूरा फगुई गांव निवासी गंगाराम ने 27 अप्रैल को कोतवाली पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि उनकी 65 वर्षीया पत्नी फूला देवी जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, 24अप्रैल को दोपहर में घर से निकल गई। उनकी बहुत खोजबीन की परन्तु पता नहीं चला है ।मामले में पुलिस ने 27 अप्रैल को गुमशुदगी दर्ज कर ली।29 अप्रैल मंगलवार को सुबह ही उक्त गांव की नहर के किनारे पुआल की गजहर के पास उक्त महिला का शव मिला है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पूछताछ कर रही हैं। मामले में प्रभारी निरीक्षक विनीत राय का कहना है कि महिला की गुमशदगी दर्ज है। मृत्यु के कारण के बारे में लोगों से पूछताछ की गई है ।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

वाराणसी के चोलापुर सीएचसी बनी प्रदेश की पहली ग्रामीण सीएचसी

जहाँ पर सी-आर्म मशीन से शुरू हुई हड्डी की सर्जरी

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चोलापुर में सी-आर्म मशीन से ऑर्थोपेडिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इसके साथ ही चोलापुर सीएचसी सी-आर्म सुविधा वाली प्रदेश की पहली सीएचसी बन गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.संदीप चौधरी के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि स्वास्थ्य सेवाओं में एक नई उपलब्धि है। हाल ही में सीएचसी चोलापुर को सी-आर्म मशीन प्रदान की गई, जिससे यहां सफल हड्डी रोग सर्जरी की शुरूआत हो गई है ।की गई। पहला केस 64 वर्षीय महिला का था, जो शौचालय जाते समय गिर गई थीं, जिससे उनके कूल्हे की हड्डी टूट गई। जांच में खून की कमी पाई गई, जिसके बाद पं. दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सालय से रक्त मंगवाकर चढ़ाया गया। फिर उनके कूल्हे का ऑपरेशन कर प्लेट डाली गई और अब वह स्वस्थ हैं ।दूसरे मरीज, जौनपुर के चंदवक निवासी, का बाइक दुर्घटना में दायां पैर और हाथ फ्रैक्चर हो गया था। आयुष्मान योजना के अंतर्गत निःशुल्क ऑपरेशन कर उनके पैर में रॉड डाली गई। सभी ऑपरेशन अधीक्षक डॉ. आरबी यादव की निगरानी में हुए, जो स्वयं हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं। टीम में डॉ. योगेश कुमार, डॉ. जीतेंद्र यादव, पवन गौतम, अमिता कुमारी, संजय वर्मा और सुनील कनौजिया शामिल रहे। सीएमओ ने बताया कि निकट डॉक्टरों नें भविष्य में चोलापुर सीएचसी पर इस प्रकार की हड्डी से जुड़ी सर्जरी की सुविधा मिलते रहने का आश्वासन दिया है।

एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने आज प्रोग्रो प्लान को लॉन्च किया

मुंबई। भारत में निजी क्षेत्र की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने आज प्रोग्रो प्लान को लॉन्च किया है, जो यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान सेगमेंट में कंपनी की बिल्कुल नई और इनोवेटिव पेशकश है। प्रोग्रो प्लान को ऐसे लोगों के लिए तैयार किया गया है, जो अपने आर्थिक भविष्य को सुरक्षित रखते हुए लंबे समय में अपनी पूंजी बढ़ाना चाहते हैं। इस प्लान में तेजी से बदलते बाजार से जुड़ी विकास की संभावनाओं और जीवन बीमा की दमदार सुरक्षा का दोहरा फायदा मिलता है। प्रोग्रो प्लान में ग्राहकों की सहूलियत और लंबे समय में उनकी पूंजी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें पॉलिसीधारकों को बीमा और निवेश के विकल्पों को अपनी जरूरतों के अनुरूप बनाने की सुविधा मिलती है। ग्राहक अपनी बदलती जरूरतों और जोखिम उठाने की क्षमता को ध्यान में रखकर अपने लाइफ कवर मल्टीपल, प्रीमियम भुगतान की अवधि, पॉलिसी की अवधि और निवेश की रणनीतियाँ चुन सकते हैं। इस प्लान से एजेस फेडरल के जिम्मेदार तरीके से निवेश के संकल्प को भी मजबूती मिलती है, जिसमें फंड के विकल्पों में इक्विटी ग्रोथ से लेकर सामान्य एसेट एलोकेशन और बॉन्ड फंड्स शामिल हैं, जो जोखिम उठाने की अलग-अलग क्षमता वाले लोगों की जरूरतों को पूरा करते हैं। प्रोग्रो प्लान में लॉक-इन का समय पूरा होने के बाद आंशिक निकासी, पॉलिसी फिर से चालू करने के विकल्प और पारदर्शी शुल्क जैसी सुविधाएँ ग्राहकों के लिए उपयुक्त हैं। इस तरह यह ग्राहकों के लिए सुविधाजनक होने के साथ-साथ उन्हें पूरा नियंत्रण देता है, जिससे उन्हें बुलंद हौसले के साथ अपने आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।

लॉन्च के मौके पर, एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ, श्री जूड गोम्स ने कहा, श्एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस में हम इनोवेटिव और ग्राहकों को ध्यान में रखकर सॉल्यूशन तैयार करने के इरादे पर अटल हैं, जिससे हमारे ग्राहकों को लंबे समय के लिए आर्थिक स्वतंत्रता और मन की शांति प्राप्त होती है। प्रोग्रो प्लान संपूर्ण जीवन सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ ग्राहकों को बाजार से जुड़े आकर्षक रिटर्न के जरिये अपनी पूंजी बढ़ाने का अवसर देकर अपने वादे पर खरा उतरता है। प्रोग्रो प्लान इसे और अधिक मूल्यवान बनाने वाले कई फीचर्स के साथ उपलब्ध है, जिनमें लॉयल्टी एडिशन, शुल्क वापसी, तथा निवेश के ढेर सारे सुविधाजनक विकल्प शामिल हैं। इसी वजह से यह उन सभी लोगों के लिए सबसे बेहतर विकल्प है, जो अपने आर्थिक भविष्य की कमान संभालने के साथ-साथ समृद्धि की विरासत का निर्माण करना चाहते हैं।

85 वर्षीय डायलिसिस पर निर्भर मरीज ने मस्तिष्क में भारी रक्तस्राव के बावजूद मौत को दी मात

मुंबई। उम्र के उस पड़ाव पर जहाँ आमतौर पर लोग जीवन की रफ्तार धीमी कर देते हैं, एक 85 वर्षीय बुजुर्ग ने जीवन के प्रति अपने अदम्य जज्बे से सबको चौंका दिया। कमजोर काया लेकिन बुलंद हौसला लिए, लंबे समय से डायलिसिस पर निर्भर यह मरीज मणिपाल हॉस्पिटल्स, ढाकुरिया पहुँचे – बेहोश अवस्था में और मस्तिष्क में तीव्र रक्तस्राव से जूझते हुए। डॉक्टरों के अनुसार उनकी बचने की संभावना बेहद कम थी। फिर भी आज वह होश में हैं, बात कर रहे हैं और सहारे के साथ खड़े हो पा रहे हैं – घर लौटने की तैयारी कर रहे हैं। उनकी कहानी आधुनिक चिकित्सा विज्ञान, टीम वर्क और जीवन के प्रति अदम्य इच्छाशक्ति की मिसाल है, यह साबित करते हुए कि उम्र चाहे जितनी भी हो, पुनः स्वस्थ होना संभव है। यह मरीज पहले से ही उच्च रक्तचाप, हृदय की स्टेंटिंग, क्रॉनिक किडनी डिजीज (स्टेज 5, डायलिसिस-निर्भर) और मिर्गी के दौरे जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ चुके थे। अचानक एक दिन घर पर बेहोश हो जाने पर परिवार उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर आया। अस्पताल पहुँचते ही डॉक्टरों ने पाया कि उनकी एक पुतली फैल गई थी – जो गंभीर मस्तिष्क चोट का संकेत है। सीटी स्कैन में मस्तिष्क के अंदर बड़े पैमाने पर सबड्यूरल हैमरेज (रक्तस्राव) पाया गया, जिसने उन्हें कोमा में पहुँचा दिया था। उनकी स्थिति बेहद नाजुक थी – डायलिसिस पर निर्भरता और रक्त पतला करने वाली दवाइयों के कारण रक्तस्राव का खतरा और भी अधिक था। तमाम जोखिमों के बावजूद, डॉक्टरों ने परिवार से विचार-विमर्श कर जीवन बचाने का फैसला लिया। डॉ. निरूप दत्ता, सलाहकार - न्यूरोसर्जरी, के नेतृत्व में उसी दिन एक जटिल डिकम्प्रेसिव क्रैनियोटॉमी सर्जरी की गई। इस दौरान डॉ. रितेश कौंतिया (सलाहकार - नेफ्रोलॉजी, ट्रांसप्लांट फिजिशियन) और डॉ. प्रखर ज्ञानेश (सलाहकार - एनेस्थेसियोलॉजी) भी मौजूद रहे। डॉ. निरूप दत्ता ने कहा, यह सर्जरी समय के खिलाफ एक दौड़ थी। उनकी उम्र, डायलिसिस पर निर्भरता, ड्यूल एंटीप्लेटलेट थेरेपी और खराब न्यूरोलॉजिकल स्टेटस – सबकुछ हमारे खिलाफ था। लेकिन हमें लगा कि उन्हें एक मौका जरूर मिलना चाहिए। परिवार ने भी हमारा समर्थन किया।

पहलगाम हमले से आहत मुस्लिम युवती ने अपनाया सनातन धर्म, नेहा खान से बनी नेहा शर्मा

गाजियाबाद। गाजियाबाद की एक मुस्लिम युवती ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से आहत होकर अपना धर्म बदलने का फैसला किया। उसने मुस्लिम धर्म छोड़कर सनातन धर्म को अपनाया और अब वह खुद को नेहा शर्मा कहती है, जबकि पहले उसका नाम नेहा खान था। नेहा ने कहा कि जब उसने देखा कि आतंकियों ने पहलगाम में हिंदुओं की पहचान पूछकर उन्हें मारा, तो वह अंदर से टूट गई। उसे महसूस हुआ कि मुस्लिम धर्म के नाम पर लोग हिंसा फैला रहे हैं, और यही सोच उसे धर्म बदलने की ओर ले गई। धर्म परिवर्तन का यह कार्यक्रम हिंदू रक्षा दल के सहयोग से विधिपूर्वक धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष पिंकी चौधरी भी मौजूद थे। नेहा ने उन्हें रक्षा सूत्र बांधते हुए सुरक्षा का वचन भी लिया। पिंकी चौधरी ने कहा कि यह कोई धर्मांतरण नहीं, बल्कि घर वापसी है। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति अपनी इच्छा से सनातन धर्म अपनाना चाहता है, संगठन उसका स्वागत करेगा।

65 मीटर ऊंचा, 20 एकड़ भूमि में बना जगन्नाथ मंदिर, कल से कर सकेंगे दर्शन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में समुद्र तट पर स्थित पर्यटन शहर दीघा में नवनिर्मित ह्यजगन्नाथधाम' का बुधवार को ह्यअक्षय तृतीया' के अवसर पर उद्घाटन किया जाएगा। यह मंदिर पुरी स्थित 12वीं सदी के मंदिर की प्रतिकृति है। एक अधिकारी ने बताया कि भगवान जगन्नाथ का मंदिर इस परियोजना का अभिन्न अंग है। उन्होंने बताया कि इस मंदिर को 20 एकड़ भूमि पर बनाया गया है और इसके लिए राजस्थान के बंसी पहाड़पुर से लाए गए लाल बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि लगभग 65 मीटर ऊंचा यह मंदिर जटिल नक्काशी और पारंपरिक डिजाइन का मिश्रण है। अधिकारी ने बताया कि पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर की तरह दीघा में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर को भी गर्भगृह विमान, जगमोहन, नट मंदिर (नृत्य कक्ष) और भोग मंडप नामक चार मंडपों में विभाजित किया गया है जो इतिहास और परंपरा से समृद्ध हिंदू आस्था की जीवंत झलक दिखाते हैं।

इंद्रपुरा में आयुर्वेद औषधालय का हुआ उद्घाटन

उदयपुरवाटी। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उदयपुरवाटी के नजदीक इंद्रपुरा ग्राम में मंगलवार को आयुर्वेद औषधालय का उद्घाटन किया। यह औषधालय विजेंद्र सिंह इंद्रपुरा द्वारा अपने दादी सा दादो सा की याद में बनाया था,जिसको आज लोकार्पण कर जनहित में विभाग को समर्पित किया है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आयुर्वेद चिकित्सा पर बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने पहले कार्यकाल में ही आयुष मंत्रालय का गठन किया था। कोवीड काल में आयुर्वेद का महत्व स्पष्ट रूप से सामने आया और इस दौरान आयुर्वेदिक नुस्खे एवं होम रेमेडी लेकर लोगों ने इस मुश्किल घड़ी में स्वास्थ्य का लाभ पाया और कोविड को मात दी। गांव की हाई सेकेंडरी स्कूल के सामने बनाए गए इस भवन में तीन कमरे, एक शिवालय, लेट, बाथ व चारदीवारी बनाई गई है। आपको बता देवे लोकार्पण से पहले यह सरकारी औषधालय गांव में एक कमरे में ही संचालित था जो अब लोकार्पण के बाद यहां प्रारंभ हो गया है और निरंतर इसकी सेवा जनता को मिलती रहेगी। इस दौरान विभाग के उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार स्वामी ब्लॉक के नोडल अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत, इंद्रपुरा प्रभारी डॉ रेणु जांगिड़, ब्लॉक आयुष चिकित्सालय उदयपुरवाटी के डॉ. राकेश माहिच, डॉ.स्नेहा सैनी (होम्यो) यूनानी के डॉ.जाबिर खान, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रताप राम कुमावत, डॉ.दीपक बगड़िया,डॉ रमेश यादव, डॉ.राकेश सैनी, डॉ रवि प्रकाश, डॉ दीपक शर्मा, डॉ.नीरज सैनी डॉ. देवेंद्र सैनी, डॉ मनीत सैनी, वरिष्ठ कंपाउंडर अशोक शर्मा, ख्याली राम, मातूराम जांगिड़, श्यामसुंदर शर्मा, किशोरी लाल रैगर, महेंद्र कुमार, राजकुमार,दीपक शर्मा दारासिंह मौर्य, नर्स सीमा डूडी, सुशीला कुमारी, मंजना कुमारी,प्रेम कुमारी, पूनम कुमारी,पूजा शर्मा, सरिता, सुनीता कुमारी सुनीता चौधरी सहित आयुर्वेद के सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित होकर विभाग की गरिमा को बढ़ाया।

युवक के झांसे का शिकार हुआ वृद्ध, बीस हजार लेकर हुआ फरार

चन्दवक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय बाजार के चौराहे से मंगलवार दो बजे नतिनी के इलाज के लिए निजी अस्पताल में पैसा जमा करने आए वृद्ध को झांसा देकर बाइक सवार उचक्का अस्पताल में बैठा कर 20 हजार रुपये लेकर फरार हो गया। थोड़ी देर बाद ठगे जाने का एहसास होने पर वृद्ध ने पुलिस को सूचना दी। थानाध्यक्ष मौके पर पहुंच कर घटना की छानबीन की ।सूचना के मुताबिक तरांव गांव निवासी 65 वर्षीय राम नगीना राम की नतिनी 9 वर्षीय साक्षी बाजार के आजमगढ़ रोड पर स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हैं। उसके इलाज के लिए पैसा जमा करना था। वहां उनका भतीजा दीपक पैसा के इंतजार में था। घर से ऑटो से 20 हजार रुपये लेकर चंदवक के लिए चले। चौराहे पर उतरते ही करीब 25 साल का बाइक सवार उचक्का मिला बोला भइया भेजे है चला बाइक पर बैठा। इतना कहकर बाइक पर बैठा लिया। थोड़ी दूर जाकर बाइक रोककर कहा पैसा दे दा जमा कर दे। 20 हजार ले लिया। उसमें से 7 हजार वापस देकर बाइक में ताली लगा छोड़कर कहा देखते रहिए आ रहा हूं। 50 कदम जाने के बाद वापस आया बोला 7 हजार वो भी दे दीजिए जमा करना। 20 हजार लेकर गाजीपुर रोड पर स्थित बड़े अस्पताल के गेट के अंदर कूलर के पास बैठाकर अभी आता हूं कहकर फरार हो गया। थोड़ी देर बाद ठगे जाने का एहसास होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इस मौके पर थानाध्यक्ष तेज बहादुर सिंह ने पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की जांच कर छानबीन की। पुलिस ने बताया कि अतिशीघ्र घटना का पदार्फाश हो जाएगा।